INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-54 | मथुरा, सोमवार, 20 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

अक्षय तृतीया पर पीताम्बर में सजे बिहारी जी, मोर मुकुट और चरण दर्शन ने बढ़ाई दिव्यता

चरण दर्शन पाकर भक्तों को मिला परम सुख

बांकेबिहारी के दर्शन करते श्रद्धालु।

बांके बिहारी जी के चरण दर्शन।

भीषण गर्मी में भी लाखों श्रद्धालु पहुंचे, प्रशासन ने किए व्यापक इंतजाम,

डीएम बोले–हर भक्त सुरक्षित दर्शन करे

अक्षय तृतीया पर वृंदावन में भक्तों का सैलाब उमड़ा

ठाकुर श्री कुब्जाकृष्ण के चरणों के दर्शन कर भक्तों ने लिया आशीर्वाद

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा/वृंदावन। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर बाँके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की ऐतिहासिक भीड़ उमड़ पड़ी। तड़के सुबह से ही ठाकुर श्री बाँके बिहारी के चरण दर्शन के लिए लंबी कतारें लग गईं। पूरा ब्रज क्षेत्र राधे–राधे के जयघोष से गूंज उठा और आस्था का महासंगम देखने को मिला।

बांकेबिहारी के दर्शन करने के लिए लाइनों में खड़े श्रद्धालु।

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर श्री बाँके बिहारी जी का श्रृंगार भक्तों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। वर्ष में एक बार होने वाले चरण दर्शन के बीच ठाकुर जी ने पीली जड़ाऊपोशाक धारण की, जो समृद्धि और शुभता का प्रतीक मानी जाती है। सिर पर मोर पंख से सुसज्जित मुकुट ने इस दिव्य स्वरूप को और मनमोहक बना दिया।

मंदिर परिसर को पीले फूलों से भव्य रूप से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय और भक्तिमय नजर आया। जैसे ही पट खुले, लाखों श्रद्धालु ठाकुर जी के चरण दर्शन के लिए उमड़ पड़े और राधे–राधे के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। विशेष बात यह रही कि साल में केवल एक दिन मिलने वाले इन चरण दर्शन को लेकर भक्त भाव–विभोर दिखे और स्वयं को धन्य मानते नजर आए। इस अवसर पर भक्तों द्वारा ठाकुर जी को पायल अर्पित करने की परंपरा भी निभाई गई, जिसे विशेष आस्था से जोड़ा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन बिहारी जी के दर्शन करने से बद्रीनाथ धाम के दर्शन के समान फल प्राप्त होता है, जिससे इस पर्व का महत्व और बढ़ जाता है।

जिलाधिकारी सीपी सिंह ने बताया कि अक्षय तृतीया सनातन परंपरा का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है, इस दिन ठाकुरजी के चरण दर्शन का विशेष महत्व होता है।

इसी कारण लाखों श्रद्धालु दूर–दराज से वृंदावन पहुंचते हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। मंदिर तक जाने वाली सभी गलियों में मैटिंग कराई गई है ताकि श्रद्धालुओं के पैरों को गर्मी से राहत मिल सके। जगह–जगह टेंट लगाकर छाया की व्यवस्था की गई है, वहीं होल्डिंग एरिया में भी पर्याप्त शेड उपलब्ध कराए गए हैं। गर्मी से राहत देने के लिए कूलर और पंखे लगाए गए हैं तथा पीने के पानी की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है और मंदिर परिसर में पब्लिक एड्रेसिंग सिस्टम के जरिए लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं। सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एम्बुलेंस, मेडिकल टीमें और मजिस्ट्रेट स्तर तक की ड्यूटी लगाई गई है। सभी संबद्ध विभागों का कंट्रोल रूम बनाकर निगरानी की जा रही है। केवल वृंदावन ही नहीं, बल्कि बरसाना राधा रानी मंदिर, गोवर्धन गिरिराज मंदिर, श्रीकृष्ण जन्मभूमि, गोकुल धाम और द्वारकाधीश मंदिर में भी श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ा हुआ है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन भगवान के दर्शन से रुके हुए कार्य पूर्ण होते हैं और शुभ फल की प्राप्ति होती है। इसी विश्वास के साथ श्रद्धालु बड़ी संख्या में ब्रज पहुंचते हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें, गर्मी को देखते हुए संयम बरतें और अफवाहों से दूर रहें। मंदिर में दर्शन का समय भी बढ़ाया गया है ताकि सभी श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन मिल सके।

अंतापाड़ा स्थित अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में श्री ठाकुर कुब्जाकृष्ण भगवान का महाअभिषेक कर चंद्र श्रृंगार किया गया। सुबह से ही भक्तों ने श्रीकृष्ण कुब्जा–कृष्ण भगवान के चरणों के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। भक्तों के जयकारों से मंदिर प्रांगण गूज उठा।

काम की खबर | **महंगे इलाज के बीच सस्ती स्वास्थ्य सेवा की पहल**

एक रुपये में इलाज बना गरीबों के लिए सहारा

यूनिक समय, मथुरा/हैदराबाद। बढ़ते इलाज के खर्च के बीच सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत लगातार महसूस की जा रही है। इसी कड़ी में हैदराबाद स्थित जीजी चैरिटी हॉस्पिटल की पहल चर्चा में है, जहां मरीजों का इलाज महज एक रुपये में किया जा रहा है। इस अनोखे मॉडल ने अब मथुरा समेत अन्य शहरों में भी लोगों को प्रेरित करना शुरू कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, इस अस्पताल में महिलाओं की बीमारियों से लेकर बच्चों की सर्जरी और जरूरी जांच तक, लगभग हर तरह की चिकित्सा सुविधा बेहद कम खर्च में उपलब्ध कराई जाती है। खास बात यह

है कि यहां इलाज का उद्देश्य मुनाफा नहीं, बल्कि सेवा है। यही वजह है कि आर्थिक रूप से कमजोर मरीज बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं।

मथुरा में भी इस पहल को लेकर चर्चा तेज हो गई है। सामाजिक संगठनों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि अगर इसी तरह का मॉडल स्थानीय स्तर पर अपनाया जाए, तो गरीब और जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। कुछ स्वयंसेवी संस्थाएं इस दिशा में प्रयास शुरू करने की योजना भी बना रही हैं।

मथुरा में भी ऐसे मॉडल की बढ़ी मांग

पर्यटन नगरी में सुलभ चिकित्सा की जरूरत

गुणवत्ता और पारदर्शिता से ही मिलेगी सफलता

स्थानीय चिकित्सकों का कहना है कि मथुरा जैसे धार्मिक और पर्यटन शहर में हर दिन बड़ी संख्या में बाहरी लोग आते हैं, जिनमें कई आर्थिक रूप से कमजोर भी होते हैं।

ऐसे में कम लागत वाले अस्पताल या चैरिटी हेल्थ सेंटर की जरूरत यहां और अधिक महसूस होती है। हालांकि विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि इस तरह की पहल को सफल बनाने के लिए मजबूत प्रबंधन, पारदर्शिता और चिकित्सा गुणवत्ता बनाए रखना बेहद जरूरी है। केवल कम शुल्क लेना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि सही और सुरक्षित इलाज भी उतना ही महत्वपूर्ण है।कुल मिलाकर, हैदराबाद के जीजी चैरिटी हॉस्पिटल की पहल ने मथुरा में एक नई सोच को जन्म दिया है। यदि यह मॉडल यहां भी जमीन पर उतरता है तो यह हजारों जरूरतमंदों के लिए राहत और उम्मीद का बड़ा जरिया बन सकता है।

बिहारी जी को लगा सत्तू का भोग, चरणों में चंदन लड्डू

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा/वृंदावन। अक्षय तृतीया के अवसर पर बाँके बिहारी मंदिर में ठाकुर श्री बाँके बिहारी जी को परंपरागत रूप से सत्तू का विशेष भोग अर्पित किया गया। गर्मी के मौसम में सत्तू को शीतलता और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इस दिन इसका विशेष महत्व है।

इस अवसर पर ठाकुर जी के चरणों में चंदन से निर्मित लड्डू भी अर्पित किया गया, जो भक्ति और शीतलता का प्रतीक माना जाता है। भोग के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े और प्रसाद को आशीर्वाद स्वरूप ग्रहण किया। मंदिर में भोग अर्पण के साथ ही भक्तों की आस्था चरम पर दिखाई दी।

श्रद्धालुओं का मानना है कि अक्षय तृतीया पर भगवान को अर्पित भोग और किए गए शुभ कार्य अक्षय फल प्रदान करते हैं।

इसी आस्था के चलते दूर–दराज से आए भक्तों ने पायल अर्पित कर अपनी मनोकामनाएं भी व्यक्त कीं। मान्यता है कि इस दिन भगवान के दर्शन और भोग का प्रसाद ग्रहण करने से जीवन में सुख–समृद्धि और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। इस प्रकार, सत्तू का भोग और चंदन लड्डू की परंपरा आज भी ब्रज की जीवंत संस्कृति और श्रद्धा को दर्शाती है।

मासूमों की मुस्कान के पीछे सरकार की राहत योजना

जोखिमग्रस्त बच्चों को हर माह मिलेंगे चार हजार रुपये

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार की जनपद में चल रही स्पॉन्सरशिप योजना के तहत जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में जीवन यापन करने वाले परिवारों के बच्चों की उचित देखभाल और अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक वर्ष से 18 वर्ष तक के 125 बच्चों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। योजना में चार हजार रुपये की धनराशि प्रत्येक बच्चे को हर माह दिया जा रहा ह।

जनपद में चल रही स्पॉन्सरशिप योजना

जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश सरकार की इस योजना में ऐसे बच्चे जिनके पिता की मौत हो गई हो, मां तलाक शुदा या परिवार से परित्यक्त हो।

इसके अलावा ऐसे बच्चे जिनके माता–पिता अथवा उनमें से कोई भी एक भी जानलेवा रोग से ग्रस्त हो। ऐसे बच्चे जो बेघर हों, निराश्रित हो अथवा विस्थापित परिवारों के साथ रह रहे हों। ऐसे बच्चे जो कानून से संघर्षरत हों। वे बच्चे जिन्हें बाल तस्करी, बाल विवाह, बाल श्रम अथवा भिक्षावृत्ति से मुक्त कराया गया हो। ऐसे बच्चे जो किसी प्राकृतिक आपदा के शिकार हों। ऐसे बच्चे जो दिव्यांग, लापता अथवा घर से भागे हुए हों। ऐसे बच्चे जिनके माता पिता अथवा दोनों में से एक कारागार में निरुद्ध हों। ऐसे बच्चे जो एचआईवी/एड्स से प्रभावित हों। ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता आर्थिक, शारीरिक अथवा मानसिक रूप से देखभाल करने में असमर्थ हो वे बच्चे जो फुटपाथ पर जीवन यापन करने वाले उत्पीड़ित शोषित हों उन्हें सरकार द्वारा जीवन यापन और आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए चार हजार रुपये इस योजना में हर माह दिए जाते है। यानि इस तरह के एक बच्चे को साल में 32 हजार रुपये सरकार द्वारा दिए जाते हैं।

आठ माह के बजट में आए 40 लाख रुपये

यूनिक समय, मथुरा। इस योजना में इस साल का बजट में से आठ माह का बजट ही सरकार से दिया गया है। सरकार से आए बजट के अनुरूप सभी लाभार्थियों के अकाउंट में पैसा डाल दिया गया है। चार माह की शेष बची रकम बजट आने पर लाभार्थियों को वितरित कर दी जाएगी।

125 लाभार्थियों को साल में मिल रहे हैं साठ लाख

यूनिक समय मथुरा। जनपद में इस योजना में 330 लाभार्थी हैं। इनमें 125 लाभार्थियों को योजना का लाभ मिल रहा है। योजना में 205 बच्चों को बजट आने पर ही लाभ मिल सकेगा। इस तरह इस योजना पर हर साल 60 लाख रुपये लाभार्थी बच्चों को दिए जा रहे हैं। इस योजना में शामिल 10 बच्चे ऐसे हैं जिनके माता-पिता अथवा दोनों ही नहीं हैं। दो बच्चे विकलांग है। आठ बच्चे ऐसे हैं जिनके माता-पिता में से एक को एचआईवी है। 97 बच्चे एसे हैं जिनकी मां विधवा है। इसके साथ ही दो बच्चों को एचआईवी है। चार बच्चे ऐसे हैं जिनके माता पिता दोनों को एचआईवी है।

205 लाभार्थियों के बजट आने पर मिलेगा लाभ

अनाथ बच्चों के लिए सहारा बने पूर्ति निरीक्षक रविकांत

यूनिक समय, मथुरा। महावन तहसील क्षेत्र के कस्बा महावन में तीन अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए पूर्ति निरीक्षक रविकांत मानवता की मिसाल बनकर सामने आए हैं। उन्होंने न केवल व्यक्तिगत स्तर पर बच्चों की सहायता की, बल्कि उनकी समस्याओं को तहसील दिवस में भी प्रमुखता से उठाकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया।

तहसील दिवस के दौरान एडीएम (प्रशासन) ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके तहत चाइल्ड हेल्थ केयर संस्था को बच्चों की देखरेख और संरक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि उन्हें बेहतर सुविधा और सुरक्षित भविष्य मिल सके।

तहसील दिवस में मुद्दे को प्रमुखता से उठाकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया

जानकारी के अनुसार, बच्चों के अनाथ होने की सूचना मिलने के बाद से ही पूर्ति निरीक्षक रविकांत लगातार उनकी मदद कर रहे हैं और उनकी जरूरतों का ध्यान रख रहे हैं। चूंकि तीनों बच्चे अभी नाबालिग हैं, इसलिए उनका राशन कार्ड बन पाना संभव नहीं हो सका है। इस संबंध में रविकांत ने बताया कि वह समाजसेवियों की मदद से बच्चों का नाम किसी राशन कार्ड में जुड़वाने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ और खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन और समाज के सहयोग से इन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में मनाया गया अक्षय तृतीया का पर्व

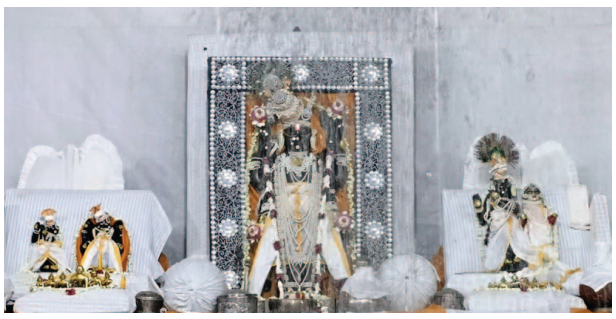

यूनिक समय, मथुरा। सुप्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में अक्षय तृतीया का पर्व पुष्टिमार्गीय परंपरा के अनुसार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने इस अवसर पर आयोजित विशेष सेवा–पूजा की विस्तृत जानकारी साझा की। अक्षय तृतीया के पावन अवसर से ठाकुर जी की सेवा पद्धति में ऋतु परिवर्तन के अनुसार निम्नलिखित बदलाव किए गए हैं आज के दिन विशेष रूप से ठाकुर जी के श्रीअंग पर शीतल चंदन लगाया गया। आज से ठाकुर जी को ऋतु के अनुकूल ठंडी वस्तुओं का भोग लगाना प्रारंभ हो गया है। इसमें विशेष रूप से सत्तू, शरबत और शीतल जल का भोग अर्पित किया गया।

बढ़ती गर्मी को देखते हुए ठाकुर जी को हल्के और ठंडे वस्त्र धारण कराए गए। साथ ही, ठाकुर जी की सुख–सुविधा के लिए पंखा भी धराया गया। राकेश तिवारी ने बताया कि 'अक्षय' का अर्थ है जिसका कभी क्षय (नाश) न हो। इस दिन किए गए दान और पुण्य का फल अनंत काल तक बना रहता है। मंदिर प्रांगण में भक्तों ने एक–दूसरे को दान दिया और दान की हुई वस्तुएं ठाकुर जी को भी अर्पित कीं। आज के दिन सोना खरीदना अत्यंत शुभ माना जाता है, इसलिए श्रद्धालुओं ने जमकर खरीदारी की। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यमुना जी में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया और मंदिरों में दर्शन–पूजन के साथ दान–पुण्य किया।

अक्षय तृतीया पर वृंदावन पहुंचे विराट-अनुष्का

संत प्रेमानंद महाराज से लिया आशीर्वाद

यूनिक समय, मथुरा। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर विश्व प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लेने के लिए भारतीय स्टार क्रिकेटर विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा एक बार फिर कान्हा की नगरी वृंदावन पहुंचे। इस आध्यात्मिक मुलाकात के दौरान दोनों ने महाराज के सानिध्य में समय बिताया और जीवन व भक्ति से जुड़े गूढ़ विषयों पर चर्चा की।विराट और अनुष्का अक्सर अपनी आध्यात्मिक यात्राओं के लिए वृंदावन आते रहते हैं। अक्षय तृतीया के अवसर पर हुई इस मुलाकात में दोनों ने महाराज के प्रवचनों को बड़े ध्यान से सुना। सोशल मीडिया पर उनके दर्शन और चर्चा की तस्वीरें व वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिसमें वे महाराज के सामने हाथ जोड़कर बैठे नजर आ रहे हैं।मुलाकात के दौरान महाराज ने अक्षय तृतीया के आध्यात्मिक महत्व पर भक्तों के लिए विशेष मार्गनिर्देश दिए। महाराज ने कहा कि इस दिन सबसे पहले व्यक्ति को दूसरों की बुराई या निंदा करने से बचना चाहिए। मन और विचारों की पवित्रता ही असली उत्सव है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि कोई श्रद्धालु यमुना किनारे बैठकर प्रेमपूर्वक 'राधा नाम' का जाप करता है, तो उसका न केवल वह दिन, बल्कि पूरा जीवन मंगलमय और 'अक्षय' (जिसका कभी क्षय न हो) बन जाता है। महाराज ने जोर देकर कहा कि मनुष्य को अपने कर्तव्य मार्ग पर अडिग रहना चाहिए। उन्होंने परमात्मा को पिता के समान बताते हुए कहा कि जो उन पर पूर्ण विश्वास रखता है, उसकी रक्षा ईश्वर हर परिस्थिति में करते हैं। एक ओर जहाँ सेलिब्रिटी कपल आध्यात्मिक शांति की तलाश में संतों की शरण में हैं, वहीं दूसरी ओर वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में चरण दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी पड़ी। अक्षय तृतीया वह एकमात्र दिन है जब वर्ष में एक बार ठाकुर जी के चरणों के दर्शन होते हैं। प्रशासन ने गर्मी और भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। विराट कोहली और अनुष्का की इस यात्रा ने एक बार फिर युवाओं को अध्यात्म और अपनी जड़ों से जुड़ने का संदेश दिया है।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

तापमान / मौसम

41 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

23 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,50,990
22 कैरेट 1,43,800
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,75,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सऐप: 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 – सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल–फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

सीएम योगी का फैसला: किसानों के लिए बड़ी राहत

अब बिना फार्मर रजिस्ट्री के सरकारी केंद्रों पर बिकेगा गेहूं

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में किसानों को बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अहम फैसला लिया है। अब राज्य के किसान बिना फार्मर रजिस्ट्री के भी सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं बेच सकेंगे। यह निर्णय उन किसानों को हो रही दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है जो तकनीकी या प्रक्रिया संबंधी कारणों से रजिस्ट्री नहीं करा पाए थे।

प्रदेश सरकार के इस फैसले के बाद हजारों किसानों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। पहले फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य होने के कारण कई किसानों को अपनी उपज बेचने में परेशानी हो रही थी, जिससे उन्हें निजी

व्यापारियों के पास कम दाम पर गेहूं बेचना पड़ता था।

अब इस बाध्यता को हटाकर सरकार ने किसानों को राहत देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

किसान हित में त्वरित निर्णय, सभी जिलाधिकारियों को तुरंत लागू करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस व्यवस्था को तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए, ताकि कोई भी किसान अपनी फसल बेचने से वंचित न रहे। इसके साथ ही क्रय केंद्रों पर व्यवस्था बेहतर बनाने और किसानों को किसी तरह की परेशानी न होने देने के भी निर्देश दिए गए हैं।

सरकार का यह फैसला गेहूं खरीद प्रक्रिया को और अधिक सरल और किसान हितैषी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे न केवल किसानों को उचित मूल्य मिलेगा, बल्कि सरकारी खरीद भी सुचारू रूप से पूरी हो सकेगी।

टीबी लक्षण दिखें तो तुरंत जांच कराएं: चौ. लक्ष्मी नारायण

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार के गन्ना विकास एवं चीनी मिल विभाग के कैबिनेट मंत्री चौ. लक्ष्मी नारायण ने जनपद में टीबी रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से कहा कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति टीबी के लक्षणों से ग्रसित दिखाई दे तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर जांच अवश्य कराएं।

उन्होंने बताया कि टीबी की जांच और उपचार सरकार द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है और मथुरा में हजारों मरीज सफलतापूर्वक इलाज कराकर स्वस्थ हो चुके हैं। मंत्री ने कहा कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूर्णतः

सरकार नि:शुल्क उपलब्ध करा रही जांच और उपचार

इलाज योग्य बीमारी है, इसलिए समय पर पहचान और उपचार बेहद जरूरी है।

चौ. लक्ष्मी नारायण ने सभी नागरिकों से टीबी मुक्त मथुरा अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से ही इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी आग्रह किया कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करें और जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचाने में मदद करें।

अलग–अलग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत

यूनिक समय, मथुरा। अलग-अलग स्थानों पर हुईं दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। घटनाओं की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों का पंचनामा करके उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दुर्घटना भी हाईवे 19 पर फरह थाना क्षेत्र में हुई। गांव बेरी निवासी भगत सिंह को बीती देर रात ट्रैक्टर से उतरने के दौरान रोडवेज बस ने रौंद दिया। दुर्घटना में घायल हुए भगत सिंह को हॉस्पिटल ले जाया गया। चिकित्सकों ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वहीं दूसरी दुर्घटना में गोवर्धन-मथुरा मार्ग पर गांव दतिया के निकट हुई। बताया गया गांव दतिया निवासी सुखीराम रविवार की रात किसी काम से खामनी गया था। खामनी से लौटने के दौरान दतिया के समीप उसे अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। दुर्घटना के बाद चालक वाहन को भगा ले गया। गोवर्धन रोड पर हुई दुर्घटना का पता लगने पर परिवार के लोगों सहित अन्य ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंच गए। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ब्रजप्रांत का प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

यूनिक समय, मथुरा। आज भरतपुर रोड स्थित नेवी रिसॉर्ट में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद एवं सर्वोदय हॉस्पिटल मथुरा के सानिध्य में ब्रजप्रांत के प्रशिक्षण वर्ग का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग के संघ चालक डॉ. वीरेंद्र मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्यज फहराकर, भारत माता व सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। रामपाल सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग में कई जिलों के प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य वक्ता ब्रजप्रांत के अध्यक्ष ब्रिगेडियर डॉ. भुवनेश चौधरी, कर्नल लाखन सिंह, कर्नल संजीव अग्निहोत्री तथा सभी जिलों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्र प्रथम की भावना पर अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर एस के सिंह, रामपाल सिंह, डॉ. रमेश चन्द, राजेश कुमार, विजयपाल, राजबीर

प्रशिक्षण वर्ग में कई जिलों के प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया

सिंह, केसी ठकुरेला, हरिओम सिंह, ओमवीर सिंह, बलबीर सिंह, बल्देव सिंह, एमडी सिंह, विक्रम सिंह, भगवान सिंह, कुशवाह, सोने लाल, सत्यवीर सिंह, सभी जिलों के पदाधिकारी, मातृशक्ति एवं सर्वोदय हॉस्पिटल के प्रतिनिधी उपस्थित रहे।

अपना घर आश्रम की नवीन कार्यकारिणी का दायित्व ग्रहण समारोह

यूनिक समय, वृंदावन। अपना घर आश्रम वृंदावन की वर्ष 2026 से 2028 सत्र के लिए कार्यकारिणी का दायित्व ग्रहण समारोह का कार्यक्रम अपना घर आश्रम संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक वीरपाल सिंह एवं राष्ट्रीय सचिव विनोद सिंघल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि स्वामी गोविंदनंद तीर्थ महाराज संस्थापक संरक्षक सेवा मंगलम आश्रम वृंदावन अध्यक्षता पवन चतुर्वेदी एमडी बृज बिहार ग्रुप मथुरा द्वारा बांके बिहारी जी एवं भारत माता के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। सचिव अजय अग्रवाल द्वारा सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात वित्त सचिव अशोक गोयल द्वारा आय व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया। संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक वीरपाल सिंह द्वारा नवीन कार्यकारिणी को आगामी दो वर्ष के लिए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। अध्यक्ष पद धन्नाराम जांदू, सचिव पद अजय अग्रवाल, वित्त सचिव पद जगदीश प्रसाद गौतम तथा अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने शपथ ग्रहण की तथा राष्ट्रीय सचिव विनोद सिंघल द्वारा आजीवन सदस्य एवं वार्षिक सदस्यों को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों को अपना घर आश्रम की सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि स्वामी गोविंद आनंद तीर्थ महाराज ने अपना घर की सेवाओं के बारे में जानकारी देते हुए आश्रम के कार्यकारिणी सदस्यों को देव माता की उपाधि प्रदान की एवं आश्रम में हो रही लावारिस जख्मी बेसहारा व्यक्तियों की सेवाओं की प्रशंसा की।

गर्मी बढ़ते ही जिले में झोलाछाप डॉक्टर सक्रिय

यूनिक समय, मथुरा। जिले में झोलाछाप की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही शहर, कस्बा और गांवों में झोलाछाप खुलेआम मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इनकी फीस भी लगभग तय हो गई है। ज्यादातर जगहों पर मरीजों से झोलाछाप फीस के तौर पर 50 रुपये से 100 रुपये तक ले रहे हैं, जबकि कुछ जगहों पर यह लोग फीस नहीं लेकर दवा के जरिए ज्यादा कमाई कर रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात तो यह है कि इन झोलाछापों के पास कोई डिग्री या प्रशिक्षण नहीं होता।

इसके बावजूद यह मरीजों का इलाज

50 रुपये फीस में इलाज का खेल

क्लीनिक चला रहे कंपाउंडर और परिजन देख रहे मरीज

कर रहे हैं। कई बार तो बिना जांच के ही दवा दे दी जाती है, जिससे मरीज की हालत और खराब हो जाती है। इतना ही नहीं, जब यह झोलाछाप खुद क्लीनिक पर नहीं होते हैं तो उनकी जगह उनके कंपाउंडर या घर के लोग मरीजों को देखते हैं। यह लोग भी मरीजों से तय फीस वसूलते हैं। झोलाछाप अपना काम चला रहे हैं। जागरूकता की कमी के कारण लोग इनके पास जाने को मजबूर हैं, जिससे कई बार छोटी बीमारी भी बड़ी बन जाती है और लोगों की जान तक चली जाती है।

स्वास्थ्य विभाग को इस तरह के झोलाछापों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो लोगों की जान को खतरा बढ़ सकता है। इस मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी राधा बल्लभ से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी।

बच्चों की सुरक्षा के लिए 'सुरक्षा वाले झूठ' सिखाने की सलाह

यूनिक समय, मथुरा। बदलते सामाजिक माहौल में बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों की चिंता लगातार बढ़ रही है। इसी बीच विशेषज्ञों और जागरूक लोगों के बीच एक नई सोच सामने आई है, जिसमें बच्चों को कुछ परिस्थितियों में सुरक्षा के लिए झूठ बोलना सिखाने पर जोर दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों को अजनबियों और संभावित खतरों से बचाना है। विशेषज्ञों के अनुसार, छोटे बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि यदि कोई अनजान व्यक्ति घर का दरवाजा खटखटाए और माता–पिता के बारे में पूछे, तो वे यह कहें कि मम्मी–पापा घर में ही हैं, भले ही वे मौजूद न हों। इससे गलत इरादे वाले व्यक्ति के भीतर डर पैदा होता है और वह वहां से जा सकता है। इसी तरह, अगर कोई अजनबी बच्चों को चॉकलेट या अन्य लालच देता है तो बच्चों को मना करते हुए यह

संकेत देना सिखाया जाता है कि उनके माता–पिता पास में ही हैं। यह तरीका बच्चों को अनजान लोगों से दूरी बनाए रखने में मदद करता है। स्कूल से लौटते समय या बाहर खेलते समय भी बच्चों को सतर्क रहने की जरूरत है। यदि कोई अजनबी उन्हें लिफ्ट देने की कोशिश करे तो बच्चों को जोर से चिल्लाने या यह कहने के लिए प्रेरित किया जाता है कि उनके अभिभावक पास में ही आ रहे हैं। इसके अलावा, बच्चों को यह भी सिखाया जा रहा है कि वे अपनी निजी जानकारी जैसे घर का पता, स्कूल का नाम या माता–पिता का विवरण किसी अजनबी के साथ साझा न करें। ऐसी स्थिति में गलत जानकारी देना उनकी सुरक्षा के लिए जरूरी माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि यदि कोई व्यक्ति बच्चों को किसी बात को छुपाने के लिए कहे तो बच्चे वहां से तुरंत निकल जाएं और घर आकर माता–पिता को पूरी जानकारी दें। इसे बच्चों की सुरक्षा का अहम हिस्सा बताया जा रहा है। हालांकि, मनोवैज्ञानिक यह भी सलाह देते हैं कि बच्चों को झूठ बोलने की आदत नहीं, बल्कि सही और गलत परिस्थितियों की समझ देना अधिक जरूरी है। कुल मिलाकर यह पहल बच्चों को सतर्क, आत्मविश्वासी और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक प्रयास के रूप में देखी जा रही है।

पुण्यतिथि पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजन के दौरान उपस्थित महामंडलेश्वर योगी नवल गिरी जी महाराज और अन्य ।

यूनिक समय, मथुरा। स्वर्गीय श्याम सुंदर जी (लाल स्वामिमल जी बजाज) की पुण्यतिथि पर 19 अप्रैल को प्रथम पहल धर्मार्थ क्लीनिक, कृष प्लाजा, मसानी तिराहा में विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर शुरू होते ही मरीजों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों ने विभिन्न रोगों की जांच कर विशेषज्ञ चिकित्सकों से नि:शुल्क परामर्श लिया।

शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. दिवाकर गोयल, नाक–कान–गला रोग विशेषज्ञ डॉ. अमिताभ पांडेय, न्यूरो फिजिशियन डॉ. प्रिंस अग्रवाल और श्वास एवं फेफड़ा रोग विशेषज्ञ डॉ. गुंजन अग्रवाल सहित अन्य चिकित्सकों ने सेवाएं दीं।कार्यक्रम का शुभारंभ संरक्षक महामंडलेश्वर योगी नवल गिरी जी महाराज, राम निवास अग्रवाल, संयोजक गजानंद अग्रवाल, कन्हैया लाल अग्रवाल, लालू, दीपक अग्रवाल, राजन अग्रवाल, नवल किशोर अग्रवाल, संस्थापक सीए अमित अग्रवाल, नि. अध्यक्ष प्रभात कुमार अग्रवाल, महामंत्री प्रियेश अग्रवाल, मंत्री नारायण हरि गोयल, कोषाध्यक्ष पंकज टालीवाल, सह कोषाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, संगठन मंत्री सुधीर अग्रवाल, सलाहकार मनीष शोरावाला, योगेश गोयल, उपाध्यक्ष हरीश कुमार जैन, योगेंद्र गोयल व मयंक अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। योगी नवल गिरी जी महाराज ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा सबसे बड़ा धर्म है। संयोजक गजानंद अग्रवाल व कन्हैया लाल अग्रवाल ने ऐसे शिविरों को गरीबों के लिए वरदान बताया। कोषाध्यक्ष पंकज टालीवाल ने संस्था की प्रस्तावित अस्पताल योजना की सराहना की। इस दौरान काजल ठाकुर, दीपक चौहान, रोशनी व संतोष सहित पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहा।

राष्ट्रीय लोक अदालत नौ मई को

जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में होगा आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार नौ मई दिन शनिवार को प्रातः 10 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायाधीश विकास कुमार की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय में किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी प्रकार के वादों (आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखत अधिनियम, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद, सर्विस में वेतन सम्बंधित विवाद एवं सेवानिवृत्तिक लाभों से सम्बंधित विवाद, राजस्व वाद, उपभोक्ता फोरम वाद, अन्य सिविल वाद, किराया, सुखाधिकार, व्यायदेश, विशिष्ट अनुतोष वाद, अन्य वाद) का निस्तारण अपने–अपने न्यायालय कक्षों में सुलह समझौते के आधार पर किया जाना है। सभी वादकारीगणों के वादों का निस्तारण नौ मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह एवं समझौते के आधार पर कराएं।

पत्रकार को पितृ शोक

यूनिक समय, मथुरा। पत्रकार राजेश भाटिया के पिताजी श्रीचंद्रभान भाटिया के गोलोकवास होने पर राजनीति दलों, पत्रकारों, समाजसेवियों, अधिवक्तागणों, उद्योगपतियों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके आवास भाटिया कॉलोनी जयसिंहपुरा में पहुंचकर सभी ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित की। 85 वर्षीय चंद्रभान भाटिया जी की शव यात्रा में सैकड़ों लोग उमड़े। आकाशवाणी स्थित मोक्षधाम पर दिवगंत आत्मा को मुखाग्नि उनके बड़े सुपुत्र राजेश भाटिया ने दी।

पंचतत्व में विलीन हुए श्री भाटिया ने अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ा है। उनके छोटे सुपुत्र राकेश भाटिया भाजपा से पार्षद हैं। शवयात्रा में महापौर विनोद अग्रवाल, मांट विधायक राजेश चौधरी, भाजपा नेता डॉ. देवेंद्र शर्मा, एबीवीपी के पूर्व प्रांत प्रमुख राकेश चतुर्वेदी, भाजपा महानगर अध्यक्ष राजू यादव, उपसभापति मुकेश सारस्वत, कृष्णानगर मंडल अध्यक्ष राजू चौधरी, भाजपा नेता प्रदीप गोस्वामी, चिंताहरण चतुर्वेदी, महानगर उपाध्यक्ष संजय शर्मा, प्रभात चौधरी, पार्षदगण अधिवक्ता, समाजसेवी, राजनीति दलों के नेता वार्ड की जनता मौजूद रही।

अखिल भारतीय गौड़ मंडल ने भगवान परशुराम की जयंती मनाई

भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते अखिल भारतीय गौड़ मंडल रजिस्टर्ड के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय गौड़ मंडल रजिस्टर्ड द्वारा अपने कार्यालय किशन गंगा स्थित गौड़ भवन पर भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव कृष्ण बल्लभ मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ सर्वप्रथम संस्था के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार शर्मा गोविंद सजावट वालों दिवाकर आचार्य द्वारा भगवान की छवि पर पुष्पांजलि अर्पित कर आरती उतारी गई।

इस अवसर पर सुरेंद्र कुमार ने कहा कि भगवान विष्णु के दशावतार में छठे अवतार भगवान परशुराम बने हैं, सर्वोदय ब्राह्मण विकास संस्थान के सचिव नारायण प्रसाद शर्मा द्वारा भगवान परशुराम के चरित्र पर कहा कि भगवान परशुराम विप्र समाज के साथ–साथ अन्य समाज के लिए भी पूजनीय थे हमें उनके आदर्शों पर चलकर समाज को एकत्रित करना है। वहीं महंत दिवाकर आचार्य द्वारा भगवान परशुराम को शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मिश्रा ने भगवान परशुराम के बारे में अपने विचार प्रकट किये। पुष्पांजलि अर्पित कर सत्तू प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से आनंद शर्मा, विष्णु शर्मा, योगेश शर्मा, अमन शर्मा, नैतिक शर्मा, पिंटू मिश्रा, हरिप्रसाद शर्मा, जयेश आचार्य आदि उपस्थित रहे।

शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता थे परशुराम

उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ मथुरा का निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न

शिवकुमार सिंह जिलाध्यक्ष और राजकुमार अत्री जिला मंत्री बने

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद मथुरा की जनपदीय कार्यकारिणी का निर्वाचन 19 अप्रैल को जवाहर विद्यालय इंटर कॉलेज में शांतिपूर्ण एवं निर्विरोध रूप से सम्पन्न हो गया। चुनाव प्रक्रिया में शिक्षकों की एकजुटता और आपसी सहमति का सराहनीय उदाहरण देखने को मिला।

निर्वाचन अधिकारी भगवान स्वरूप शर्मा ने परिणाम घोषित करते हुए बताया कि शिवकुमार सिंह को जिलाध्यक्ष, राजकुमार अत्री को जिला मंत्री तथा राकेश कुमार ठकुरेला को जिला कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। तीनों पदाधिकारियों के चयन पर उपस्थित शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका

उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ की जनपदीय कार्यकारिणी के नव निर्वाचित पदाधिकारी।

स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. दिनेश सिंह राणा, मंडलीय मंत्री जयप्रकाश शर्मा, जगवीर सिंह नौहवार (प्रत्याशी एमएलसी), मु. यूनुस, भगवान स्वरूप शर्मा (मंडल अध्यक्ष अलीगढ़) एवं पूरन सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मनोज सिंह छौंकर, विधान चंद्र वर्मा, प्रमोद कुमार पटेल, रविशंकर त्रिपाठी, जीवनलाल, राजकुमार अत्रि, प्रशांत शर्मा, रजनीश जायसवाल, बंशीधर, ओमप्रकाश शर्मा, विशंभर दयाल, अनिल कुमार विश्वकर्मा, जितेंद्र सिंह सेंगर, राजेश कुमार यादव, लोकेंद्र सिंह, बल्देव प्रसाद, चंद्रशेखर, राकेश कुमार चौधरी, शैलेंद्र कुमार यादव, रविकांत यादव, दिनेश कुमार यादव, डॉ. सत्य प्रकाश सिंह, डॉ. प्रवीण कुमार यादव, शिल्पी श्रीवास्तव, नरेश कुमार पांडेय, कृष्ण कुमार, डालचंद कुशवाहा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि शेष कार्यकारिणी के पदों का चयन भी आपसी सहमति से शीघ्र ही किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत बनाने, शिक्षक हितों की रक्षा करने तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

राकेश ठकुरेला जिला कोषाध्यक्ष बने

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा ने मनाया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

कैंप कार्यालय में भगवान परशुराम की जयंती मनाते अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष एवं महामंत्री ब्रज क्षेत्र दुष्यंत सारस्वत और अन्य पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। शस्त्र और शास्त्र के प्रतीक, भगवान विष्णु के छठे अवतार, अक्षय ऊर्जा के पुंज अजर अमर अविनाशी भगवान परशुराम का जन्मोत्सव अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के कैंप कार्यालय सेठवाड़ा होली गेट पर स्थानीय जिला अध्यक्ष एवं महामंत्री ब्रज क्षेत्र दुष्यंत सारस्वत की अध्यक्षता में धूमधाम के साथ मनाया गया

उन्होंने कहा भगवान परशुराम अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक है वह शस्त्र और शास्त्र के महान ज्ञाता थे, जिला उपाध्यक्ष अशोक शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम केवल ब्राह्मण समाज के आराध्य देव नहीं सर्व समाज के देव हैं, उनका जीवन हमें धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर दीपक गौतम, बादल उपाध्यक्ष, योगेश सारस्वत, राजकुमार शर्मा, जितेंद्र शर्मा, विकास शर्मा, कुलदीप, विवेक तिवारी, गोलू पंडित आदि मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान में परशुराम जन्मोत्सव

हुआ पंचामृताभिषेक और भव्य श्रृंगार

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार बैसाख शुक्ल तृतीया पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान में भगवान परशुराम का भव्य जन्मोत्सव एवं पंचामृताभिषेक संपन्न हुआ। साथ ही श्रीकेशवदेव मंदिर एवं श्रीराधाकृष्ण मंदिर में विशेष चन्दन श्रृंगार के दिव्य दर्शन कराए गए।

इस अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान की प्रबंध समिति सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि भगवान परशुराम विष्णु के षष्ठ अवतार हैं, जिन्होंने 21 बार पृथ्वी को अत्याचारियों से मुक्त कर

भगवान परशुराम का पंचामृताभिषेक करते मंदिर के सेवक।

कश्यप ऋषि को सौंपा। शास्त्रों के अनुसार वे आज भी महेन्द्र पर्वत पर तपस्या कर रहे हैं और कल्कि अवतार को शरूत्र–शास्त्र की शिक्षा देंगे।भागवत भवन में पंचोपचार पूजन के साथ अभिषेक कर जन्मोत्सव मनाया गया तथा हजारों भक्तों को पंचामृत एवं प्रसाद वितरित किया गया। चन्दन श्रृंगार के दर्शन के लिए दूर–दराज से श्रद्धालु पहुंचे। ठाकुर श्रीकेशवदेव एवं श्रीराधाकृष्ण विग्रहों का मनोहारी चन्दन व पुष्प श्रृंगार प्रातः से रात्रि आरती तक चलता रहा। कार्यक्रम में उप प्रबंधक अनुराग पाठक, जनसंपर्क प्रभारी विजय बहादुर सिंह, मंदिर पूजाचार्य विन्ध्येश्वरी प्रसाद अवस्थी, आचार्य महेश चन्द्र शर्मा एवं सनातन पण्डा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्व. श्री चंद्रभान भाटिया

उठाला/चौथा

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्यनीय पिताजी श्री चंद्रभान भाटिया जी अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके दिनांक 19-4-2026 दिन रविवार को प्रभु चरणों में लीन हो गए हैं। उनकी आत्मिक शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा दिनांक 21-4-2026 दिन मंगलवार को चार से पांच बजे कृष्ण चंद गांधी स्कूल, माधवकुंज जयसिंहपुरा, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल परिवार-श्रीमती उर्मिल भाटिया (धर्मपत्नी)
राजेश भाटिया पत्रकार, अमर उजाला, मथुरा (पुत्र)
राकेश भाटिया भाजपा पार्षद, नगर निगम, मथुरा-वृंदावन (पुत्र)
राधारानी भाटिया (पुत्रवधू) आभास भाटिया (धेवता) नक्श भाटिया, आरव भाटिया (पौत्रगण) पूनम भाटिया-कपिल भाटिया (पुत्री-दामाद)

फर्मः राकेश मेडिकल, जयसिंहपुरा, मथुरा। Mob. 9410076222, 8077595901, 9457265222

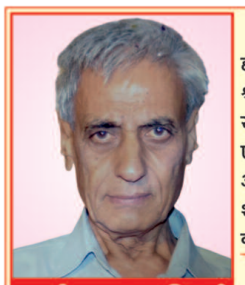

स्व. श्री चन्द्रभान भाटिया जी

शोक-संवेदना

हमारे प्रिय राजेश जी, राकेश जी के पूज्य पिताजी श्री चन्द्रभान भाटिया जी के गोलोकवास पर हम सभी परिवारीजन शोक संवेदना व्यक्त करते हैं एवं परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना हैं कि दिवंगत आत्मा को प्रभु अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

सुरेन्द्र खण्डेलवाल
ललित खण्डेलवाल

सुधीर मेडिकल ऐजेन्सी
तिलक द्वार, मथुरा।

बाजना इंटर कॉलेज में गूंजा नारी शक्ति का उद्घोष

यूनिक समय, बाजना। बाजना इंटर कॉलेज में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने और छात्राओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद शर्मा के कुशल निर्देशन और समग्र शिक्षा माध्यमिक मिशन शक्ति मंच की प्रभारी उपासना वर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और जोश से नारी शक्ति का जयघोष किया। तीन दिनों तक चले इस अभियान के प्रथम दिन नारी शक्ति मानव श्रृंखला बनाई गई, जिसके माध्यम से समाज में महिला शक्तिकरण का संदेश दिया गया। दूसरे दिन छात्राओं ने मैदान में अपना शौर्य प्रदर्शन किया और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए भारतीय संस्कृति में नारी के महत्व को रेखांकित किया। वहीं

तीन दिवसीय कार्यक्रमों से छात्राओं को किया जागरूक

अभियान के तीसरे और अंतिम दिन 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का भावी पीढ़ी पर प्रभाव' विषय पर एक गरमागरम वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। सशक्त नारी, समृद्ध भारत' विषय पर छात्राओं ने निबंध, कविता और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। धानाचार्य ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल कानून नहीं, बल्कि महिलाओं के गौरव को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मिशन शक्ति प्रभारी उपासना वर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने अधिकारों के प्रति सजग होती हैं।

अक्षय तीज पर शर्बत वितरण जायंट्स ग्रुप ने बांटी राहत

शर्बत वितरण करते जायंट्स ग्रुप के सदस्य और पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अक्षय तीज के पावन पर्व पर जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा द्वारा डीग गेट स्थित हनुमान मंदिर पर मीठे शर्बत का वितरण कर सेवा का सराहनीय कार्य किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए एक क्विंटल दूध और रूहअफजा से तैयार ठंडा शर्बत राहगीरों, टेंपो सवारों और स्थानीय लोगों को पिलाया गया, जिससे उन्हें राहत मिली।

शर्बत पीने के बाद लोगों ने जायंट्स ग्रुप के इस सेवाभाव की खुलकर प्रशंसा की और आयोजकों को दुआएं दीं। इस आयोजन में अध्यक्ष प्रदीप फौजदार, पूर्व अध्यक्ष केवलराम चंदानी, प्रशासनिक निदेशक मनमोहन गुप्ता, सुनील वर्मा, प्रथम महिला मिताली फौजदार, सीमा गुप्ता, कविता चंदानी और कल्पना वर्मा का विशेष योगदान रहा।

अध्यक्ष प्रदीप फौजदार ने बताया कि संस्था का उद्देश्य समाज सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों की मदद करना है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि समाज के अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके।

सिविल डिफेंस की प्रतिभा की खोज प्रतियोगिता में पुरस्कार वितरण

यूनिक समय, मथुरा। स्थानीय होटल में सिविल डिफेंस मथुरा की वार्डन पोस्ट संख्या-1 द्वारा आयोजित 'प्रतिभा की खोज' नागरिक सुरक्षा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

यह आयोजन अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) नंद प्रकाश मौर्य के निर्देशन में तथा सहायक उपनियंत्रक नीरज श्रीवास्तव, चीफ वार्डन राजीव अग्रवाल, डिप्टी चीफ वार्डन कल्याण दास अग्रवाल और डिवीजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी के मार्गदर्शन में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में कल्याण दास अग्रवाल और राजेश कुमार मित्तल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में दीपक चतुर्वेदी, दीपेश कुमार, रविंद्र बंसल, आशीष कुमार और जितेंद्र कुमार शामिल रहे। सभी ने विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, शील्ड, मेडल और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन ई. अशोक यादव (पोस्ट वार्डन एवं मास्टर ट्रेनर) और डिप्टी पोस्ट वार्डन विकास सोनी के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में गिरीश वार्ष्णेय, प्रमोद शर्मा, कौशल किशोर, हेमंत, राजेश कुमार शिवहरे, श्याम सिंह, पवन, विनोद, कन्हैया सैनी, शुभम सिंह, अनुज, पंकज धनगर, करिश्मा, गुलशेर, देवेन्द्र कुमार, हरी नारायण अग्रवाल, आकाश, सोनू शिवहरे, लाभांश, पंकज कुमार, ओम प्रकाश, रामसती, जितेन्द्र कुमार, सुमित कुमार, दर्शन सिंह निषाद, विशाल कश्यप सहित अनेक वार्डन व फायरफाइटर उपस्थित रहे। अंत में ई. अशोक यादव ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

केडी विश्वविद्यालय का संदेश: नारी शक्ति वंदन है, नए भारत का अभिनंदन है

विद्यार्थियों ने रंगोली और पोस्टरों में भरे कल्पनाशीलता के रंग

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय में पारितोषिक वितरण के साथ नारी शक्ति वंदन अधिनियम–2023 के प्रचार अभियान का समापन हो गया। 'नारी शक्ति वंदन' अभियान के अंतिम दिन मेडिकल छात्र–छात्राओं ने अपनी–अपनी रंगोलियों और पोस्टरों में सशक्त नारी, समृद्धि भारत की जिस कल्पनाशीलता का प्रस्तुतीकरण किया, उसकी निर्णायकों ने मुक्तकंठ से तारीफ की। पोस्टर प्रतियोगिता में पलक तो रंगोली में अदिति, आरती, एंजेला की जी–टीम ने पहला स्थान हासिल किया।

समाज में महिलाओं के सम्मान, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए केडी विश्वविद्यालय की स्पोर्ट्स एण्ड कल्चरल समिति द्वारा तीन दिवसीय नारी शक्ति वंदन अधिनियम अभियान चलाया गया, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने महिला प्रोत्साहन की तरफ समाज का ध्यान आकर्षित किया। नारी शक्ति वंदन अभियान के तीसरे दिन रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायकों कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी,

पोस्टर प्रतियोगिता के प्रतिभागियों से चर्चा करते निर्णायक दूसरे चित्र में विश्वविद्यालय पदाधिकारियों के साथ रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता–उपविजेता विद्यार्थी।

कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, केडी मेडिकल कॉलेज के डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, उप–प्राचार्या डॉ. गगनदीप कौर, डॉ. संगीता सिंह ने सभी छात्र–छात्राओं की कल्पनाशीलता की सराहना करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। कुलपति डॉ. मनेश लाहौरी ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी सफलता के पदचिह्न छोड़ रही हैं। नारी अपने विभिन्न रूपों में सदैव मानव जाति के लिए त्याग, बलिदान, स्नेह, श्रद्धा, धैर्य, सहिष्णुता का प्रतीक रही है। प्राचार्य डॉ. आरके अशोका ने छात्र–छात्राओं का हौसला बढ़ाया और कहा कि नारी को समाज में बराबर का सम्मान और प्रतिष्ठा मिलनी चाहिए।

उप–प्राचार्या डॉ. गगनदीप कौर ने रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता में शिरकत करने वाले सभी छात्र–छात्राओं की प्रशंसा की और कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की उपयोगिता सनातन काल से महसूस की गई है, महिलाओं को आरक्षण नहीं समाज का प्रोत्साहन चाहिए। डॉ. संगीता सिंह ने मेडिकल छात्राओं का आह्वान किया कि वे अपने को कभी कमजोर न समझें, कमजोर तो वे पुरुष हैं जोकि महिलाओं के विकास को बाधित करने की कोशिश करते हैं।

पोस्टर प्रतियोगिता में पलक को पहला, 2024 बैच की शौरवनी, अनन्या तथा गरिमा की टीम को दूसरा तथा सायली को तीसरा पुरस्कार मिला। इसी तरह रंगोली प्रतियोगिता में अदिति, आरती, एंजेला की जी–टीम को प्रथम पुरस्कार मिला। श्रद्धा, अनन्या, गरिमा तथा वानी की ए–टीम और सुनरीत, आदर्श और सवानी की डी–टीम को संयुक्त रूप से दूसरा तथा आस्था, आरती, अदिति, अवनी की टीम को तीसरा पुरस्कार मिला।

प्रतियोगिता के संचालन में स्पोर्ट्स एण्ड कल्चरल समिति की प्रमुख डॉ. अमनजोत कौर चौहान, डॉ. राहुल गोयल, डॉ. सोनम बिलावारिया, डॉ. सुधाकर रे, डॉ. सोनू शर्मा, डॉ. प्रीति सिंह सेंगर, शिवम आदि का अमूल्य योगदान रहा। पारितोषिक वितरण कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमनजोत कौर चौहान ने किया तथा आभार डॉ. राहुल गोयल ने माना।

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह से गूंजा विद्यालय परिसर

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में प्रमाण पत्र दिखातीं छात्राएं और साथ में खड़ी हैं शिक्षिकाएं।

यूनिक समय, मथुरा। जसवंत सिंह भदौरिया पब्लिक स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्ष भर शिक्षा, खेल, कला और अनुशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करना था।

समारोह के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रबंधक डॉ. हरिकृष्ण भदौरिया ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इसके बाद विभिन्न कक्षाओं के टॉपर्स, खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं और सांस्कृतिक गतिविधियों में अव्वल रहे छात्र–छात्राओं को मेडल, प्रमाण पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. हरिकृष्ण भदौरिया ने विद्यार्थियों का

सम्मान सिर्फ मेहनत का इनाम नहीं, आगे बढ़ने की प्रेरणा है : डॉ. हरिकृष्ण भदौरिया

उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सम्मान सिर्फ मेहनत का इनाम नहीं, बल्कि आगे बढ़ने की प्रेरणा है। आप सभी देश का भविष्य हैं, खूब पढ़िये और अपने माता–पिता व विद्यालय का नाम रोशन कीजिए।

उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं, जिससे पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा। प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

योग : हर बीमारी का सरल और असरदार समाधान

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खराब लाइफस्टाइल और असंतुलित खानपान के कारण लोगों में क्रॉनिक बीमारियों और मानसिक तनाव का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए केवल दवाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि दिनचर्या में सुधार करना भी बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कम उम्र से ही योग को जीवन का हिस्सा बना लिया जाए, तो यह संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो सकता है।

योग एक प्राचीन भारतीय परंपरा है, जो आज पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो चुकी है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का माध्यम है। नियमित योग अभ्यास से शरीर मजबूत और लचीला बनता है, वहीं मानसिक शांति और संतुलन भी बना रहता है।

योग करने के कई वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित लाभ हैं। यह शरीर की इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करता है, जिससे व्यक्ति बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनता है। साथ ही, यह तनाव और चिंता को कम करता है, जिससे नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है। योग पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और वजन नियंत्रित रखने में भी सहायक होता है।

इसके अलावा, योग ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल को संतुलित रखने में मदद करता है, जिससे हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। नियमित अभ्यास से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर में लचीलापन बढ़ता है। यही कारण है कि योग को हर उम्र के लोगों के लिए उपयोगी माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि योग को केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि एक जीवनशैली के रूप में अपनाना चाहिए। रोजाना कुछ मिनट योग करने से मानसिक स्पष्टता, ऊर्जा और शारीरिक स्थिरता प्राप्त होती है। चाहे बच्चे हों, युवा या बुजुर्ग—हर किसी के लिए योग एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी उपाय है, जो जीवन को स्वस्थ और संतुलित बना सकता है।

लिवर: शरीर का साइलेंट हीरो और उसकी देखभाल का महत्व

यूनिक समय, नई दिल्ली। लिवर हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण अंग है, जो पाचन, डिटॉक्सिफिकेशन और ऊर्जा बनाए रखने जैसे कई जरूरी कार्य करता है। यह भोजन को पोषक तत्वों में बदलता है और खून को साफ रखने में मदद करता है। खास बात यह है कि लिवर में खुद को पुनर्जीवित (रीजनरेट) करने की अनोखी क्षमता होती है, जो इसे शरीर का खास अंग बनाती है।

हालांकि, खराब लाइफस्टाइल और असंतुलित आहार के कारण लिवर से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। फैटी लिवर, हेपेटाइटिस, सिरोसिस जैसी समस्याएं आम होती जा रही हैं। लिवर खराब होने पर थकान, भूख न लगना, पेट फूलना और पीलिया जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। लिवर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार बेहद जरूरी है। हरी सब्जियां, फल, साबुत अनाज और फाइबर युक्त भोजन फायदेमंद होते हैं। साथ ही, तला–भुना खाना, शराब और धूम्रपान से दूरी बनाना चाहिए। नियमित रूप से स्वस्थ आदतें अपनाकर हम अपने लिवर को लंबे समय तक सुरक्षित और मजबूत रख सकते हैं।

गर्मियों में नहाने का स्मार्ट तरीका

पानी में मिलाएं ये चीजें और पाएं ठंडक

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में तेज धूप, पसीना और चिपचिपाहट से राहत पाने के लिए सिर्फ नहाना ही काफी नहीं होता, बल्कि नहाने का सही तरीका अपनाना भी जरूरी है। यदि आप नहाने के पानी में कुछ प्राकृतिक चीजें मिला लें, तो यह साधारण नहाना भी आपको पूरे दिन तरोताजा और ठंडा महसूस करा सकता है। आयुर्वेद में ऐसे कई घरेलू उपाय बताए गए हैं, जो शरीर को ठंडक देने के साथ–साथ त्वचा को भी स्वस्थ रखते हैं।

नहाने के पानी में गुलाब जल मिलाने से तुरंत ठंडक मिलती है और इसकी खुशबू मूड को फ्रेश कर देती है। यह त्वचा को मुलायम और हाइड्रेटेड रखने में भी मदद करता है। वहीं नींबू का रस एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है, जो पसीने की बदबू दूर करके शरीर को साफ और ताजगी भरा महसूस कराता है।

नीम के पत्ते गर्मियों में त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इन्हें पानी में उबालकर नहाने से खुजली, स्किन इंफेक्शन और घमौरियों से राहत मिलती है। इसी तरह पुदीना शरीर को कूलिंग इफेक्ट देता है और थकान दूर करता है। इसके अलावा, चंदन पाउडर भी नहाने के पानी में मिलाने से त्वचा को ठंडक और नैचुरल ग्लो मिलता है। ध्यान रखें कि बहुत ठंडे पानी से न नहाएं, बल्कि हल्के ठंडे या सामान्य पानी का इस्तेमाल करें। इन आसान उपायों को अपनाकर आप गर्मियों में खुद को फ्रेश, कूल और एनर्जेटिक रख सकते हैं।

झुलसती गर्मी और झुग्गियों में मातृत्व की चुनौती : एक चिंताजनक तस्वीर

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अप्रैल की शुरुआत से ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, जिसने खासकर झुग्गियों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जहां एक ओर समाज में महिला सशक्तिकरण और आरक्षण जैसे मुद्दों पर बहस चल रही है, वहीं दूसरी ओर हकीकत यह है कि कई महिलाएं बुनियादी सुविधाओं के बिना भीषण गर्मी में गर्भावस्था का कठिन दौर झेल रही हैं।

टीन की छतों के नीचे तपते कमरे, सीमित पानी और वेंटिलेशन की कमी इस समस्या को और गंभीर बना देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, 40 डिग्री से अधिक तापमान सभी के लिए खतरनाक होता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं पर इसका प्रभाव कई गुना ज्यादा पड़ता है। बढ़ती गर्मी से दिल की धड़कन तेज होना, ब्लड प्रेशर में बदलाव, चक्कर आना और सांस लेने में परेशानी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, झुग्गियों में रहने वाली कई महिलाएं नींद न आना, घबराहट, सिरदर्द और लगातार थकान जैसी परेशानियों से जूझ रही हैं। कुछ मामलों में समय से पहले डिलीवरी, मृत शिशु के जन्म (स्टिलबर्थ) और नवजात में स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञों का कहना है कि चक्कर, उल्टी या बेहोशी जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच, पर्याप्त पानी, पोषण और आराम बेहद जरूरी हैं, लेकिन झुग्गियों में रहने वाली महिलाओं के लिए इनका पालन करना आसान नहीं होता।

यह स्थिति सिर्फ मौसम की मार नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी उजागर करती है। बढ़ती गर्मी के बीच मातृत्व की यह जंग हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हमारी स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवस्थाएं वास्तव में हर वर्ग की महिलाओं तक पहुंच पा रही हैं?

गर्मी में झटपट बनने वाले 5 टेस्टी और कूलिंग व्यंजन

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में किचन में ज्यादा समय बिताना किसी चुनौती से कम नहीं लगता। तेज गर्मी और उमस के बीच लंबे समय तक खाना बनाना थका देता है। ऐसे में जरूरी है कि हम ऐसे व्यंजन चुनें जो जल्दी तैयार हों, हल्के हों और शरीर को ठंडक भी दें। अच्छी बात यह है कि कई ऐसी रेसिपीज हैं जो कम समय में बनकर तैयार हो जाती हैं और स्वाद के साथ पोषण भी देती हैं।

सबसे आसान विकल्प है दही और फल से बने व्यंजन। आप दही में कटे हुए फल मिलाकर फ्रूट रायता या स्मूदी बना सकते हैं, जो शरीर को ठंडक देता है। इसके अलावा इंस्टेंट सैंडविच भी एक बेहतरीन विकल्प है। ब्रेड, खीरा, टमाटर और चटनी से यह 5 मिनट में तैयार हो जाता है। गर्मी में ठंडे पेय पदार्थ जैसे नींबू पानी, छाछ और आम पना बेहद फायदेमंद होते हैं। ये शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और तुरंत ऊर्जा देते हैं। अगर कुछ हल्का गरम खाना हो तो पोहा या उपमा अच्छा विकल्प है, जो जल्दी बनता है और पेट के लिए हल्का होता है।

वहीं, अगर बैटर तैयार हो तो इडली या अप्पे भी कुछ ही मिनटों में बनाए जा सकते हैं। ये हेल्दी होने के साथ पेट भरने वाले भी होते हैं। इन आसान रेसिपीज को अपनाकर आप गर्मियों में कम समय में स्वादिष्ट और ठंडक देने वाला भोजन तैयार कर सकते हैं।

घर पर बनाएं क्रिस्पी स्प्रिंग रोल्स: आसान और टेस्टी रेसिपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्प्रिंग रोल्स एक लोकप्रिय स्नैक है, जिसे आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। यह बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आता है और खास बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा समय या मेहनत नहीं लगती।

इसे बनाने के लिए पत्ता गोभी, गाजर, शिमला मिर्च और हरी मिर्च जैसी सब्जियों को हल्का भून लें। फिर इसमें सोया सॉस, नमक और काली मिर्च डालकर स्वाद तैयार करें। अब स्प्रिंग रोल शीट में इस स्टफिंग को भरकर रोल बनाएं और किनारों को मैदा के घोल से सील कर दें। इसके बाद कढ़ाही में तेल गर्म करके रोल्स को मध्यम आंच पर सुनहरा और क्रिस्पी होने तक तलें। यदि आप हेल्दी विकल्प चाहते हैं, तो इन्हें एयर फ्रायर या ओवन में भी बना सकते हैं। गरमा–गरम स्प्रिंग रोल्स को टमाटर या चिली सॉस के साथ सर्व करें और घर पर ही रेस्टोरेंट जैसा स्वाद पाएं।

प्रदूषण से दूर सुकून की तलाश: भारत की पांच ईको–फ्रेंडली जगहें

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की भागदौड़ और प्रदूषण भरी जिंदगी में हर कोई कुछ पल शांति और प्रकृति के बीच बिताना चाहता है। ऐसे में ईको–फ्रेंडली डेस्टिनेशन एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभर रहे हैं, जहां आप साफ हवा, हरियाली और सस्टेनेबल लाइफस्टाइल का अनुभव कर सकते हैं।

कूर्ग अपनी हरियाली और कॉफी बागानों के लिए मशहूर है। यहां के ईको–रिसॉर्ट्स आपको प्रकृति के बेहद करीब ले जाते हैं और मन को सुकून देते हैं। स्पीति वैली शांत और कम प्रदूषण वाली जगह है, जो एडवेंचर और शांति दोनों का बेहतरीन मेल है। यहां की सादगी और प्राकृतिक सुंदरता आपको अलग अनुभव देती है। मेघालय का मावलिननॉन्ग गांव एशिया का सबसे स्वच्छ गांव माना जाता है। यहां प्लास्टिक पर प्रतिबंध है और लोग पर्यावरण के प्रति बेहद जागरूक हैं।

औरोविल सस्टेनेबल जीवनशैली का अनोखा उदाहरण है। यहां मेडिटेशन, ऑर्गेनिक फार्मिंग और ग्रीन लिविंग का अनुभव मिलता है। वहीं कुमाऊं अपने शांत पहाड़ों और प्राकृतिक खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है, जहां ईको–स्टे और होमस्टे प्रकृति के करीब रहने का मौका देते हैं। इन जगहों पर घूमकर आप न सिर्फ खुद को रिफ्रेश कर सकते हैं, बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूक और जिम्मेदार यात्रा का अनुभव भी ले सकते हैं।

लंच में लाएं नया स्वाद: बेसन की आसान और हेल्दी रेसिपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप रोज–रोज दाल–चावल खाकर बोर हो गए हैं, तो बेसन से बनी रेसिपीज आपके लंच का स्वाद बदल सकती हैं। भारतीय रसोई में बेसन एक बहुउपयोगी सामग्री है, जिससे नाश्ता, स्नैक और मुख्य भोजन–सब कुछ तैयार किया जा सकता है। बेसन प्रोटीन, फाइबर और जरूरी मिनरल्स से भरपूर होता है, इसलिए यह स्वाद के साथ सेहत भी देता है। भागदौड़ भरी जिंदगी में ऐसे भोजन की जरूरत होती है जो जल्दी बने और पेट भी भरे–ऐसे में बेसन की डिश एक बेहतरीन विकल्प है। आप लंच में बेसन चीला, बेसन कढ़ी, बेसन की सब्जी, ढोकला और गट्टे की सब्जी जैसे व्यंजन शामिल कर सकते हैं।

अपनाएं आसान घरेलू उपाय

गर्मियों में पसीने की बदबू से छुटकारा

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में पसीना आना सामान्य है, लेकिन इसकी बदबू कई बार परेशानी और शर्मिंदगी का कारण बन जाती है। दरअसल, पसीने की गंध बैक्टीरिया के कारण होती है, जो त्वचा पर पनपते हैं। इस समस्या से बचने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय बेहद कारगर साबित हो सकते हैं।

सबसे पहले, रोजाना साफ–सफाई का ध्यान रखें और दिन में कम से कम दो बार स्नान करें। एंटी–बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करने से बैक्टीरिया कम होते हैं और बदबू नहीं आती। नींबू एक नेचुरल डियोड्रेंट की तरह काम करता है– इसे अंडरआर्म्स पर लगाने से दुर्गंध कम होती है। इसके अलावा, बेकिंग सोडा पसीने की नमी को सोखकर बैक्टीरिया को खत्म करता है। वहीं, फिटकरी का पानी भी बदबू दूर करने में मददगार होता है। नहाने के बाद इसका उपयोग करने से शरीर लंबे समय तक फ्रेश रहता है। साथ ही, ढीले और कॉटन कपड़े पहनें, जिससे पसीना आसानी से सूख सके। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी जरूरी है, क्योंकि इससे शरीर अंदर से साफ रहता है। इन सरल उपायों को अपनाकर आप पूरे दिन ताजगी और आत्मविश्वास बनाए रख सकते हैं।

सुविचार

"सफलता किस्मत से नहीं, सही आदतों से मिलती है।"

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	04:15-01:20 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	मृगशीर्षा	02:08- 11:58 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय	5:53 AM		चन्द्रोदय	08:40 AM
सूर्यास्त	6:43 PM		चंद्रास्त	11:26 PM
सूर्य राशि	मेष राशि		चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त	11:52AM -12:43 PM		ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	03:30 PM: 05:06 PM		वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

हिमालय में दो दिव्य शक्तियों की कठोर साधना

जब गंगा और पार्वती की तपस्या से डोली सृष्टि

ऋषि जहनू के क्रोध से गंगा की तपस्या भंग

भगवान शिव ने गंगा को जटाओं में दिया स्थान

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय पौराणिक कथाओं में कई ऐसे प्रसंग मिलते हैं, जहां भक्ति, समर्पण और नियति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। ऐसा ही एक रोचक प्रसंग उस समय का बताया जाता है, जब दो महान शक्तियां–माता पार्वती और माता गंगा–एक ही लक्ष्य के लिए तपस्या में लीन थीं।

कथा के अनुसार, हिमालय की गुफाओं में माता पार्वती भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप कर रही थीं। उनका यह संकल्प सृष्टि की नियति से जुड़ा हुआ था। वहीं दूसरी ओर माता गंगा भी उसी श्रद्धा और समर्पण के साथ भगवान शिव की आराधना कर रही थीं। उनकी तपस्या इतनी प्रचंड बताई जाती है कि प्रकृति का संतुलन तक प्रभावित होने लगा।

देवर्षि नारद ने जब यह स्थिति देखी तो वे चिंतित हो उठे। उनके सामने एक जटिल प्रश्न था–यदि दोनों की तपस्या सफल हो जाती है, तो सृष्टि का संतुलन कैसे बना रहेगा? क्योंकि पार्वती और शिव का मिलन पूर्वनिर्धारित माना जाता है। ऐसे में नारद ने एक योजना बनाई। कथाओं के अनुसार, नारद ने माता गंगा से कहा कि शिव को प्रसन्न करना अत्यंत कठिन है और इसमें युगों का समय लग सकता है। उन्होंने गंगा को सलाह दी कि वे ऋषि जहनू की आराधना करें और उन्हें 108 घड़ों का जल अर्पित करें। सरल हृदय गंगा इस सुझाव को मानकर ऋषि के पास पहुंच गईं। बताया जाता है कि उस समय ऋषि जहनू गहरी तपस्या में लीन थे। गंगा का तेज प्रवाह और जल अर्पण उनकी साधना में बाधा बन गया। इससे क्रोधित होकर ऋषि ने गंगा को अपने भीतर समाहित कर लिया। इस घटना से गंगा की तपस्या भंग हो गई, लेकिन उनका निस्वार्थ भाव भगवान शिव तक पहुंच चुका था। कथा के अनुसार, इसके बाद भगवान शिव स्वयं प्रकट हुए और गंगा के समर्पण से प्रसन्न होकर उन्हें अपने मस्तक पर स्थान दिया। इसी कारण शिव को "गंगाधर" कहा जाता है। वहीं ऋषि जहनू द्वारा मुक्त किए जाने के कारण गंगा को "जाह्नवी" नाम भी मिला। यह कथा केवल पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि भक्ति, त्याग और नियति के संतुलन का प्रतीक भी मानी जाती है, जो आज भी लोगों को आस्था और विश्वास का संदेश देती है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष राशि: इस हफ्ते आपको आर्थिक मामलों में धैर्य और समझदारी दिखानी होगी। शुरुआत में बजट प्लानिंग और पुराने काम निपटाने पर ध्यान दें। बीच सप्ताह में नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन जल्दबाजी में फैसले लेने से बचें। अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है, इसलिए सतर्क रहें।

वृषभ राशि: इस सप्ताह आर्थिक स्थिति मजबूत रहने के संकेत हैं। शुरुआत में बचत और निवेश के लिए अच्छा समय है। बीच सप्ताह में नेटवर्किंग और नए संपर्कों से आय के अवसर मिल सकते हैं।

मिथुन राशि: यह सप्ताह मिले–जुले परिणाम लेकर आएगा। शुरुआत में थोड़ी सुस्ती और अनिश्चितता महसूस हो सकती है, लेकिन मध्य में नए अवसर सामने आएंगे।

कर्क राशि : इस हफ्ते आपको सहयोग से लाभ मिलने के संकेत हैं। शुरुआत में टीमवर्क और नेटवर्किंग से आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। बीच सप्ताह में कुछ अचानक खर्च सामने आ सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें।

सिंह राशि: सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह करियर और आय के नए अवसर लेकर आ सकता है। शुरुआत में मेहनत का फल मिल सकता है। बीच में खर्च बढ़ने की संभावना है, खासकर अनावश्यक चीजों पर।

कन्या राशि: इस सप्ताह आपको आर्थिक मामलों में अनुशासन बनाए रखने की जरूरत है। शुरुआत में स्थिरता बनी रहेगी, लेकिन बीच में कुछ जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। सहयोग और मार्गदर्शन से लाभ मिलने की संभावना है।

तुला राशि: तुला राशि के लिए यह सप्ताह योजना और संतुलन का है। शुरुआत में आर्थिक मामलों पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

वृश्चिक राशि: इस सप्ताह साझेदारी और संयुक्त निवेश पर ध्यान देना जरूरी है। शुरुआत में धैर्य रखने की जरूरत होगी, क्योंकि परिणाम धीरे–धीरे मिलेंगे। बीच सप्ताह में कुछ छिपे हुए लाभ मिल सकते हैं।

धनु राशि: धनु राशि के लिए यह सप्ताह जिम्मेदारियों और अवसरों का मिश्रण है। शुरुआत में अनुशासन के साथ काम करने से लाभ मिलेगा। बीच सप्ताह में पैसों से जुड़ी चर्चाएं महत्वपूर्ण हो सकती हैं।

मकर राशि: मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह रचनात्मकता और योजना का है। शुरुआत में नए आइडिया से आय के अवसर बन सकते हैं। बीच में सामान्य खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ राशि: इस सप्ताह आपको खर्चों पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। शुरुआत में घर से जुड़े खर्च बढ़ सकते हैं। बीच में रचनात्मक कार्यों से लाभ मिलने के संकेत हैं। सप्ताह के अंत में साझेदारी से जुड़े फैसले अहम होंगे।

मीन राशि: मीन राशि के लिए यह सप्ताह संतुलन का है। शुरुआत में प्रयासों से लाभ मिल सकता है, लेकिन बीच में घरेलू खर्च बढ़ सकते हैं। सप्ताह के अंत में स्थिति सामान्य होगी। इस दौरान बड़े निवेश से बचें और स्थिरता पर ध्यान दें।

चाणक्य के पांच मंत्र, तेजी से बदल सकते हैं आपकी जिंदगी

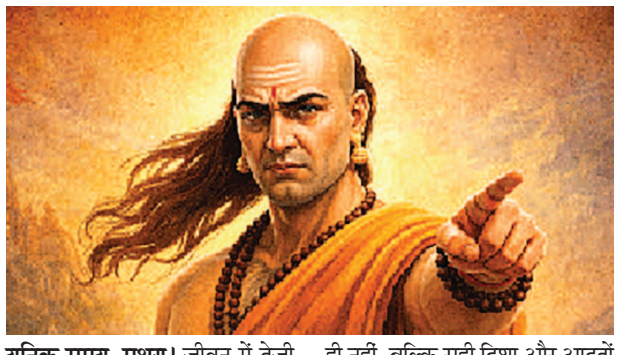

यूनिक समय, मथुरा। जीवन में तेजी से सफलता पाने के लिए केवल मेहनत ही नहीं, बल्कि सही दिशा और आदतों का होना भी जरूरी है। आचार्य चाणक्य की नीतियां आज भी लोगों को आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार उनकी पांच सीख जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती हैं।

सबसे पहले, लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। बिना लक्ष्य के प्रयास भटक जाते हैं। दूसरा, समय की कीमत समझना जरूरी है, क्योंकि यही सबसे बड़ी पूंजी है। तीसरा, सही संगति का चयन बेहद अहम है, क्योंकि आसपास का माहौल व्यक्ति के सोच और व्यवहार को प्रभावित करता है।

चौथा, लगातार सीखते रहना जरूरी है। बदलते दौर में नई स्किल अपनाने से ही ग्रोथ संभव है। वहीं पांचवां और सबसे अहम है अनुशासन और आत्मविश्वास, जो व्यक्ति को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये साधारण दिखने वाले सिद्धांत अगर नियमित जीवन में अपनाए जाएं, तो सफलता की राह आसान हो सकती है और व्यक्ति तेजी से तरक्की कर सकता है।

घर में भगवान की दिव्य उपस्थिति के संकेत, ज्योतिष ने बताए सात इशारे

यूनिक समय, मथुरा। क्या आपके घर का माहौल कभी अचानक बेहद शांत और सकारात्मक हो जाता है? क्या बिना किसी कारण मन प्रसन्न रहने लगता है? ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ऐसे अनुभव सामान्य नहीं, बल्कि दिव्य ऊर्जा या सकारात्मक प्रभाव के संकेत हो सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जब ग्रहों की स्थिति अनुकूल होती है, तब व्यक्ति और उसके आसपास का वातावरण भी सकारात्मक बदलाव महसूस करता है।

ज्योतिष के अनुसार यदि कुंडली में गुरु, चंद्र और शुक्र मजबूत स्थिति में हों, तो घर में शांति और संतुलन बढ़ने लगता है। ऐसे समय में व्यक्ति

को बिना किसी स्पष्ट कारण के सुकून का अनुभव होता है। इसे शुभ संकेत माना जाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि कई बार लोगों को बिना किसी वजह के चंदन, फूल या अगरबत्ती जैसी सुगंध महसूस होती है। इसे भी सकारात्मक ऊर्जा की मौजूदगी का संकेत माना जाता है। हालांकि कुछ लोग इसे मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी मानते हैं, लेकिन आस्था रखने वाले इसे ईश्वरीय कृपा से जोड़ते हैं। इसके अलावा, घर के आसपास पशु–पक्षियों का बार–बार आना भी शुभ माना जाता है। ज्योतिष में गाय, कुत्ते और पक्षियों को सकारात्मक ऊर्जा का वाहक माना गया है। यदि ये जीव नियमित रूप से आपके घर के आसपास दिखने लगें, तो इसे अच्छा संकेत समझा जाता है।

सपनों को भी महत्वपूर्ण माना गया है। यदि किसी व्यक्ति को बार–बार मंदिर, दीपक या देवी–देवताओं के दर्शन होते हैं, तो इसे आध्यात्मिक जुड़ाव का संकेत माना जाता है। ऐसे सपने व्यक्ति के मन और चेतना में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत दे सकते हैं।

ज्योतिष के अनुसार एक बड़ा संकेत यह भी है कि जब जीवन की समस्याएं धीरे–धीरे कम होने लगें और काम आसानी से बनने लगें। यह स्थिति दर्शाती है कि ग्रह अनुकूल हैं और व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक समय चल रहा है।

हालांकि विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि इन संकेतों को अंधविश्वास के रूप में नहीं लेना चाहिए। कई बार ये अनुभव व्यक्ति की मानसिक स्थिति और वातावरण से भी जुड़े हो सकते हैं। इसलिए आस्था के साथ संतुलित दृष्टिकोण रखना जरूरी है। फिलहाल, इन संकेतों को लेकर लोगों में उत्सुकता बनी हुई है। कई लोग इन्हें अपनी जिंदगी में सकारात्मक बदलाव का कारण मानते हैं, तो कुछ इसे केवल मनोवैज्ञानिक प्रभाव बताते हैं।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 27 अप्रैल: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई : वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई: अपरा एकादशी
- 14 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

सम्पादकीय

तकनीक के साथ संवेदनाओं का संतुलन बेहद जरूरी

तकनीक ने मानव जीवन को जितना आसान बनाया है, उतना ही जटिल भी। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी आधुनिक तकनीकें ऐसे काम कर रही हैं, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक संभव नहीं थी। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर तकनीकी उपलब्धि मानवीय दृष्टि से भी सही होती है?

हाल ही में एक घटना ने इस बहस को फिर से जीवंत कर दिया। एक बुजुर्ग मां को उसके बेटे की मृत्यु का आघात न पहुंचे, इसके लिए एआई की मदद से बेटे का वर्चुअल रूप तैयार किया गया और उससे नियमित संवाद कराया गया। पहली नजर में यह प्रयास संवेदनशील और मानवीय लग सकता है, लेकिन इसके भीतर छिपे नैतिक प्रश्न कहीं अधिक गहरे हैं।

पवन गौतम
संपादक

सबसे बड़ा सवाल सच्चाई और भ्रम के बीच की सीमा का है। क्या किसी को मानसिक शांति देने के लिए उसे वास्तविकता से दूर रखना उचित है? एक मां के लिए बेटे का खोना असहनीय दुख है, लेकिन उसे यह विश्वास दिलाना कि उसका बेटा जीवित है, भावनाओं के साथ एक तरह का छल भी है। जब यह सच्चाई सामने आएगी, तो उसका असर और भी गहरा हो सकता है।

तकनीक का उद्देश्य जीवन को बेहतर बनाना है, न कि उसे भ्रम में डालना। वर्चुअल अवतार और डिजिटल क्लोनिंग निश्चित रूप से यादों को संजोने का एक नया माध्यम बन सकते हैं। लोग अपने प्रियजनों की आवाज, हाव–भाव और व्यक्तित्व को फिर से महसूस कर सकते हैं। लेकिन जब यही तकनीक वास्तविकता को बदलने लगे, तब इसके उपयोग पर गंभीर विचार जरूरी हो जाता है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

एक और चिंता इसका संभावित दुरुपयोग है। यदि किसी व्यक्ति का डिजिटल रूप इतनी सटीकता से तैयार किया जा सकता है, तो इसका इस्तेमाल धोखाधड़ी या अपराधों में भी हो सकता है। ऐसे में केवल तकनीकी प्रगति ही नहीं, बल्कि उसके साथ मजबूत नियम और नैतिक दिशा–निर्देश भी जरूरी हैं।

सामाजिक दृष्टि से भी इसका प्रभाव कम नहीं है। यदि लोग वास्तविक रिश्तों के बजाय आभासी संवाद में अधिक सहज महसूस करने लगें, तो मानवीय संबंधों की प्रकृति बदल सकती है। रिश्तों की गहराई और सच्चाई धीरे–धीरे कृत्रिमता में बदलने का खतरा बढ़ जाएगा।

अंततः तकनीक एक साधन है, लेकिन संवेदनाएं उसकी दिशा तय करती हैं। यदि हम तकनीक का उपयोग मानवीय मूल्यों के साथ संतुलित रूप में करें, तो यह वरदान बन सकती है। अन्यथा, यह हमारे ही बनाए रिश्तों और विश्वास को कमजोर कर सकती है।

नजरिया

हिरासत में मौतें रोकने को चाहिए सख्त जवाबदेही

बोधप्रकाश सगुणी

भारत में पुलिस हिरासत में होने वाली मौतें एक ऐसी सच्चाई बन चुकी हैं, जिसे अब नज़रअंदाज़ करना संभव नहीं रह गया है। यह केवल कानून–व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि हमारे लोकतांत्रिक ढांचे, मानवाधिकारों और न्याय व्यवस्था की गंभीर परीक्षा भी है। हर बार जब कोई व्यक्ति पुलिस हिरासत में अपनी जान गंवाता है, तो सवाल सिर्फ उस एक घटना का नहीं होता, बल्कि पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता कटघरे में खड़ी हो जाती है।

हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिन्होंने यह साबित किया कि हिरासत में यातना और मौतें कोई अपवाद नहीं, बल्कि एक चिंताजनक प्रवृत्ति बनती जा रही हैं। तमिलनाडु के सातानुकुलम में पिता–पुत्र की मौत, पंजाब और मध्यप्रदेश के मामले– ये सभी घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि पुलिस की कार्यप्रणाली में कहीं न कहीं गहरी खामियां मौजूद हैं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन संस्थाओं का निर्माण नागरिकों की सुरक्षा के लिए किया गया था, वही संस्थाएं कभी–कभी भय और उत्पीड़न का कारण बन जाती हैं। आम नागरिक पुलिस स्टेशन को न्याय का स्थान मानता है, लेकिन जब वहीं से अत्याचार और मौत की खबरें आती हैं, तो विश्वास का संकट पैदा होना स्वाभाविक है। इस पूरे मुद्दे पर न्यायपालिका ने भी कई बार कड़ी टिप्पणी की है। अदालतों ने साफ कहा है कि हिरासत में हिंसा और मौतें किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकतीं। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर बदलाव उतना तेज़ और प्रभावी नहीं दिखता, जितनी अपेक्षा की जाती है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति और भी भयावह नजर आती है। हजारों मामलों के बावजूद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई बेहद सीमित रहती है। जांच लंबी चलती है, साक्ष्य कमजोर पड़ जाते हैं, और अंततः कई मामलों में आरोपी बच निकलते हैं। यही कारण है कि पुलिस के भीतर जवाबदेही का अभाव बना रहता है।

इस समस्या का एक बड़ा पहलू यह भी है कि हिरासत में मरने वाले अधिकतर लोग समाज के कमजोर और गरीब तबकों से होते हैं। जिनके पास न तो कानूनी लड़ाई लड़ने के संसाधन होते हैं, न ही प्रभावशाली पहुंच। ऐसे में उनके लिए न्याय पाना और भी कठिन हो जाता है।

यहां सवाल उठता है कि क्या सख्त सजा, जैसे फांसी, इस समस्या का समाधान हो सकती है? पहली नजर में यह एक प्रभावी उपाय लगता है, क्योंकि कठोर दंड अपराधियों में भय पैदा कर सकता है। लेकिन केवल सजा की कठोरता से ही समस्या का पूर्ण समाधान नहीं होता।

जरूरत इस बात की है कि पूरे सिस्टम में व्यापक सुधार किए जाएं। पुलिस प्रशिक्षण में मानवाधिकारों को प्राथमिकता दी जाए, गिरफ्तारी और पूछताछ के दौरान पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, और हर स्तर पर जवाबदेही तय की जाए।

इसके साथ ही तकनीकी उपायों का भी सही उपयोग होना चाहिए। सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था हो और उनकी नियमित निगरानी की जाए। इससे न केवल अत्याचार की घटनाओं पर रोक लगेगी, बल्कि किसी भी विवाद की स्थिति में साक्ष्य भी उपलब्ध होंगे।

कानूनी ढांचे में भी सुधार की आवश्यकता है। भारत में अभी तक यातना के खिलाफ कोई स्पष्ट और सख्त कानून नहीं है। कई बार मौजूदा कानूनों के तहत कार्रवाई करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में एक विशेष कानून की जरूरत महसूस होती है, जो पुलिस अत्याचार के मामलों में स्पष्ट दिशा–निर्देश और सख्त दंड का प्रावधान करे।

एक और महत्वपूर्ण पहलू है–जांच की निष्पक्षता। अक्सर पुलिस के खिलाफ मामलों की जांच भी पुलिस ही करती है, जिससे निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। इसके लिए स्वतंत्र जांच एजेंसियों की आवश्यकता है, जो बिना किसी दबाव के काम कर सकें।

न्यायिक प्रक्रिया को भी तेज़ और प्रभावी बनाना जरूरी है। वर्षों तक चलने वाले मुकदमे पीड़ित परिवारों को थका देते हैं और कई बार वे न्याय की उम्मीद ही छोड़ देते हैं। यदि समयबद्ध तरीके से फैसले आएं, तो इससे सिस्टम में विश्वास बढ़ेगा।

इसके अलावा, पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए पर्याप्त मुआवजा और सहायता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि उनके अधिकारों की मान्यता भी है।

यह भी समझना जरूरी है कि पुलिस पर काम का दबाव, संसाधनों की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसी समस्याएं भी इस स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। जब तक इन मूल कारणों का समाधान नहीं किया जाएगा, तब तक केवल दंडात्मक उपायों से स्थायी बदलाव संभव नहीं है।

समाज की भूमिका भी इस मुद्दे में महत्वपूर्ण है। जब तक आम नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं होंगे और गलत के खिलाफ आवाज नहीं उठाएंगे, तब तक सुधार की प्रक्रिया अधूरी रहेगी। मीडिया और नागरिक समाज को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

अंततः यह सवाल केवल पुलिस सुधार का नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण का है। हमें यह तय करना होगा कि क्या हम ऐसी व्यवस्था को स्वीकार करेंगे, जहां कानून के रक्षक ही कानून तोड़ने लगें, या फिर हम एक ऐसी प्रणाली का निर्माण करेंगे, जहां हर नागरिक सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे।

हिरासत में मौतें केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन परिवारों की त्रासदी हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। सख्त सजा एक शुरुआत हो सकती है, लेकिन असली बदलाव तभी आएगा जब सिस्टम के हर स्तर पर पारदर्शिता, जवाबदेही और मानवता को प्राथमिकता दी जाएगी। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकते हैं, जहां न्याय केवल एक शब्द नहीं, बल्कि हर नागरिक का वास्तविक अनुभव हो।

विचार विण्डो

महिला आरक्षण बिल गिरा,सियासत का नया अध्याय

राम प्रकाश शर्मा

लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक गिरना भारतीय राजनीति के लिए एक अहम मोड़ साबित हुआ है। यह केवल एक विधेयक की हार नहीं, बल्कि सत्ता और विपक्ष के बीच बदलते शक्ति संतुलन, रणनीति और विश्वास की कमी का स्पष्ट संकेत भी है। लंबे समय से प्रतीक्षित 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर सियासी खींचतान में उलझ गया है, जिससे यह सवाल और गहरा हो गया है कि क्या हमारे लोकतंत्र में सहमति की राजनीति कमजोर पड़ रही है।

विधेयक के पक्ष में 298 वोट पड़े, जो साधारण बहुमत से कहीं अधिक थे, लेकिन संविधान संशोधन के लिए आवश्यक दो–तिहाई बहुमत के अभाव में यह पारित नहीं हो सका। यह परिणाम अपने आप में यह दर्शाता है कि केवल समर्थन होना पर्याप्त नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक सहमति भी उतनी ही जरूरी है। सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए यह एक बड़ा झटका है, क्योंकि इसे पिछले एक दशक की बड़ी संवैधानिक असफलताओं में गिना जा रहा है। वहीं विपक्ष ने इस परिणाम को अपनी एकजुटता की जीत के रूप में पेश किया है। विपक्षी दलों ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि वे न केवल सरकार का विरोध कर सकते हैं, बल्कि उसे महत्वपूर्ण विधायी मोर्चों पर रोक भी सकते हैं। यह एक तरह से 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले राजनीतिक मनोबल बढ़ाने का प्रयास भी है।

हालांकि इस पूरे विवाद की जड़ में केवल संख्या का खेल नहीं है, बल्कि कई गंभीर नीतिगत और सामाजिक प्रश्न भी जुड़े हुए हैं। विपक्ष की सबसे बड़ी आपत्ति यह रही कि इस विधेयक को परिसीमन प्रक्रिया से जोड़ दिया गया। परिसीमन, यानी निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण, एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है, जिसमें वर्षों का समय लग सकता है। ऐसे में महिला आरक्षण का वास्तविक लाभ तत्काल मिलने की संभावना कम हो जाती है।

इसके अलावा, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग की महिलाओं के लिए अलग उप–कोटा न होना भी विवाद का प्रमुख कारण बना। विपक्ष का तर्क है कि बिना इन वर्गों के लिए विशेष प्रावधान के, यह आरक्षण सामाजिक न्याय के सिद्धांत को अधूरा छोड़ देता है। वहीं सरकार का कहना है कि मौजूदा संवैधानिक ढांचे में अतिरिक्त उप–कोटा देना संभव नहीं है और एससी/एसटी के लिए पहले से ही व्यवस्था मौजूद है। यह टकराव दरअसल केवल विधेयक के प्रावधानों का नहीं, बल्कि

राजनीतिक दृष्टिकोण का भी है। सरकार इसे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताती है, जबकि विपक्ष इसे अधूरा और संभावित रूप से राजनीतिक लाभ के लिए तैयार किया गया कदम मानता है। दोनों पक्ष अपने–अपने तर्कों के साथ जनता के बीच जाने की तैयारी कर रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक ध्रुवीकरण भी है।

सत्तापक्ष इस मुद्दे को महिलाओं के अधिकारों से जोड़कर विपक्ष को कठघरे में खड़ा करेगा, जबकि विपक्ष इसे सरकार की रणनीतिक विफलता और 'छलावे' के रूप में प्रस्तुत करेगा। यह टकराव आने वाले चुनावों में और तीखा हो सकता है।

राज्यों की राजनीति पर भी इसका प्रभाव पड़ना तय है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में, जहां पहले से ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तीव्र है, यह मुद्दा नई बहस को जन्म दे सकता है। दक्षिणी राज्यों की यह आशंका कि परिसीमन के बाद उनकी सीटों में कमी आ सकती है, भी इस विरोध का एक महत्वपूर्ण कारण रही है।

इसके बावजूद यह भी सच है कि महिला आरक्षण का मुद्दा इतना महत्वपूर्ण है कि इसे लंबे समय तक टाला नहीं जा सकता। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में, जहां महिलाओं की आबादी लगभग आधी है, उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व अभी भी अपेक्षाकृत कम है। ऐसे में इस दिशा में ठोस कदम उठाना अनिवार्य है। संभावना यह भी जताई जा रही है कि सरकार इस विधेयक को संशोधित रूप में फिर से पेश कर सकती है। इसके लिए वह विपक्ष के साथ संवाद बढ़ाने और सहमति बनाने की कोशिश करेगी।

यदि ऐसा होता है, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया की परिपक्वता का संकेत होगा। अंततः, यह मुद्दा केवल एक राजनीतिक बहस तक सीमित नहीं है। यह हमारे लोकतंत्र की गुणवत्ता, समावेशिता और भविष्य से जुड़ा हुआ है। महिला आरक्षण केवल संख्या बढ़ाने का उपाय नहीं, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में विविधता और संतुलन लाने का प्रयास है।

महिला आरक्षण विधेयक का गिरना एक अस्थायी रुकावट हो सकती है, लेकिन इससे जुड़ी बहस अब और तेज होगी। यह राजनीतिक दलों के लिए भी एक अवसर है कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से लें और समाधान की दिशा में आगे बढ़ें।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या राजनीतिक दल अपने मतभेदों को किनारे रखकर महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए एक साझा रास्ता निकाल पाएंगे, या फिर यह मुद्दा भी अन्य महत्वपूर्ण विषयों की तरह सियासी लाभ–हानि के तराजू में ही तौलता रहेगा। समय ही इसका उत्तर देगा, लेकिन इतना तय है कि यह बहस आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का एक केंद्रीय मुद्दा बनी रहेगी।

द हंड्रेड के भविष्य पर बहस तेज, ललित मोदी और केविन पीटरसन आमने–सामने

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड के चर्चित क्रिकेट टूर्नामेंट द हंड्रेड को लेकर क्रिकेट जगत में नई बहस छिड़ गई है। ललित मोदी और केविन पीटरसन के बीच इस लीग के भविष्य को लेकर तीखी राय सामने आई है, जिसने फैंस का ध्यान खींचा है।

दरअसल, एक इंटरव्यू में ललित मोदी ने दावा किया कि 100 गेंदों के इस फॉर्मेट वाला टूर्नामेंट अगले तीन साल में खत्म हो सकता है। उनके मुताबिक, इस लीग के सामने कई व्यावहारिक और आर्थिक चुनौतियां हैं, जो इसके लंबे समय तक टिके रहने में बाधा बन सकती हैं। वहीं, केविन पीटरसन ने इस दावे से असहमति जताई।

उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि 'द हंड्रेड' खत्म नहीं होगा, बल्कि आने वाले तीन सालों में इसका फॉर्मेट बदलकर टी20 किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह टूर्नामेंट भविष्य में यूके का इंडियन प्रीमियर लीग बन सकता है, जो दर्शकों को और ज्यादा आकर्षित करेगा।

ललित मोदी ने इसके जवाब में कहा कि दुनिया की कोई भी टी20 लीग आईपीएल जैसी सफलता हासिल नहीं कर सकती। उन्होंने फैन बेस, विज्ञापन समर्थन और खिलाड़ियों की उपलब्धता जैसे मुद्दों का हवाला देते हुए कहा कि 'द हंड्रेड' को उतना समर्थन नहीं मिलेगा। उनका मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी भी इसकी लोकप्रियता को प्रभावित करेगी। इसके अलावा, उन्होंने प्रसारण और सब्सक्रिप्शन से जुड़ी आर्थिक चुनौतियों का भी जिक्र किया।

दुनिया की कोई भी टी20 लीग आईपीएल जैसी सफलता हासिल नहीं कर सकती : ललित मोदी

मोदी के अनुसार, सीमित दर्शक आधार के कारण इस लीग के लिए बड़े स्तर पर कमाई करना मुश्किल हो सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले वर्षों में द हंड्रेड किस दिशा में आगे बढ़ता है और किसकी भविष्यवाणी सही साबित होती है।

'बैटलग्राउंड 2' में खेसारी लाल यादव का मजेदार अंदाज अभिषेक मल्हान को किया रोस्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव इन दिनों रियलिटी शो बैटलग्राउंड 2 में जज और मेंटर के रूप में नजर आ रहे हैं। शो में उनका मजेदार और बेबाक अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।

हाल ही में सामने आए प्रोमो में खेसारी ने 'बिग बॉस' फेम अभिषेक मल्हान को हल्के–फुल्के अंदाज में रोस्ट किया। जब एक कंटेस्टेंट को टीम में लेने की बात आई, तो अभिषेक थोड़े हिचकिचाते नजर आए। इस पर खेसारी ने मजाकिया अंदाज में कहा कि आप खुद फैसला नहीं लेते और हर बात मुझसे पूछते रहते हैं। खेसारी की इस बात पर सेट पर मौजूद बाकी मेंटर्स हंस पड़े, और अभिषेक भी अपनी हंसी नहीं रोक सके। शो में दोनों के बीच की ये नोकझोंक दर्शकों को

'राजा शिवाजी' में सलमान खान की एंट्री से बढ़ी उत्सुकता, रितेश देशमुख ने किया खुलासा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता और फिल्म निर्माता रितेश देशमुख इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म राजा शिवाजी को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने एक बड़ा अपडेट साझा किया, जिसने दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ा दिया है।

'बिग बॉस मराठी सीजन 6' के दौरान रितेश देशमुख ने खुलासा किया कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस खबर के सामने आते ही फैंस के बीच फिल्म की कास्टिंग को लेकर उत्सुकता तेज हो गई है। यह फिल्म महान मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। ऐसे में दर्शक पहले से ही इस ऐतिहासिक कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित थे, और अब सलमान खान की एंट्री ने इस प्रोजेक्ट को और भी चर्चा में ला दिया है। हालांकि, सलमान खान के किरदार को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वह किसी ऐतिहासिक चरित्र या मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकते हैं। उनकी मौजूदगी फिल्म में एक अलग आकर्षण जोड़ सकती है। रितेश देशमुख इस फिल्म से सिर्फ अभिनेता के रूप में ही नहीं, बल्कि एक फिल्ममेकर के रूप में भी जुड़े हैं और इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी समर्पित हैं। 'राजा शिवाजी' की रिलीज डेट 1 मई 2026 तय की गई है। ऐसे में दर्शकों को अब इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

राशिद खान ने ठुकराए भारत और ऑस्ट्रेलिया के ऑफर, देश के प्रति दिखाई निष्ठा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने अपनी देशभक्ति से जुड़ी एक दिलचस्प और प्रेरणादायक कहानी साझा की है। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े क्रिकेट देशों की नागरिकता लेने के प्रस्ताव मिले थे, लेकिन उन्होंने साफ तौर पर इनकार कर दिया।

अपनी किताब राशिद खानः फ्रॉम स्ट्रीट्स टू स्टारडम में राशिद ने बताया कि इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के दौरान एक मुलाकात में उन्हें भारत में बसने और यहीं से क्रिकेट खेलने का ऑफर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह सुनकर वह हैरान रह गए, लेकिन विनम्रता से मना कर दिया। उनका जवाब साफ था–वह अपने देश अफगानिस्तान के लिए ही खेलना चाहते हैं।

राशिद ने यह भी बताया कि ऐसा प्रस्ताव सिर्फ भारत से ही नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया से भी मिला था। हालांकि, हर बार उन्होंने अपने देश को प्राथमिकता दी। उनका कहना था, "अगर मैं अपने देश के लिए नहीं खेलूंगा, तो किसी और देश के लिए भी नहीं खेलूंगा।" यह बयान उनकी प्रतिबद्धता और जजूबे को दर्शाता है। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2018 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय फैंस ने उन्हें भारतीय नागरिकता देने की मांग तक कर दी थी। मैदान के बाहर भी राशिद इन दिनों चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने बेटे "अजलान खान" के जन्म की खुशखबरी सोशल मीडिया पर साझा की, जिस पर क्रिकेट जगत से उन्हें ढेरों बधाइयां मिलीं। राशिद खान का यह फैसला दिखाता है कि उनके लिए देश से बढ़कर कुछ भी नहीं है, और यही बात उन्हें एक महान खिलाड़ी के साथ–साथ प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी बनाती है।

जेठालाल का रोल ठुकराने वाले अली असगर की कहानी, 40 साल में बनाई करोड़ों की संपत्ति

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री के मशहूर कॉमेडियन अली असगर ने अपने करियर में कई दिलचस्प फैसले लिए, जिनमें सबसे बड़ा फैसला था पॉपुलर शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में 'जेठालाल' का रोल ठुकराना।

यह वही किरदार है जिसे बाद में दिलीप जोशी ने निभाकर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की। अली असगर ने अपने करियर की शुरुआत 1980 के दशक में की और 'कहानी घर घर की' व 'कुटुंब' जैसे सीरियल्स से पहचान बनाई। बाद में उन्होंने कॉमेडी शोज, खासकर महिला किरदार निभाकर अलग पहचान बनाई। हालांकि, इसी इमेज के कारण उनके बच्चों को स्कूल में मजाक का सामना भी करना पड़ा, जिसका जिक्र उन्होंने एक पॉडकास्ट में किया। उन्होंने बताया कि लगातार महिला किरदार मिलने से उनकी एक खास छवि बन गई थी, जिसे तोड़ना आसान नहीं था।

बावजूद इसके, उन्होंने खुद को नए ट्रेंड्स के अनुसार ढाला और इंडस्ट्री में टिके रहे। करीब 40 साल के करियर में अली असगर ने टीवी, फिल्मों और लाइव परफॉर्मेंस के जरिए लगभग 40 करोड़ रुपये की संपत्ति बनाई, जो उनकी मेहनत और संघर्ष को दर्शाती है।

काजोल ने बेटी न्यासा के जन्मदिन पर लिखा भावुक नोट, बोलीं– 'मैं बहुत शुक्रगुजार हूं'

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने अपनी बेटी न्यासा देवगन के जन्मदिन पर एक बेहद खास और भावुक पोस्ट साझा किया है। आज न्यासा अपना जन्मदिन मना रही हैं, और इस मौके पर काजोल ने इंस्टाग्राम पर मां–बेटी की खूबसूरत तस्वीरें शेयर करते हुए अपने दिल की बात लिखी। इन तस्वीरों में काजोल सफेद साड़ी में नजर आ रही हैं, जिस पर लाल रंग का प्रिंट है, वहीं न्यासा पीले रंग के लहंगे में बेहद स्टाइलिश दिख रही हैं। खुले बाल और ईयररिंग्स के साथ उनका लुक काफी आकर्षक लग रहा है। ये तस्वीरें नॉर्थ बॉम्बे सरबोजनिन दुर्गा पूजा समिति के दौरान की बताई जा रही हैं। काजोल ने अपने पोस्ट में लिखा, "मैं बहुत शुक्रगुजार हूं, जब न्यासा पैदा हुई तो मेरी दुनिया बदल गई। मैं हर दिन भगवान का धन्यवाद करती हूं कि तुम मेरी जिंदगी में हो। तुम परफेक्ट हो और हमेशा मेरी ही रहोगी। हैप्पी बर्थडे तुम्हें और मुझे।"

भावुक संदेश ने फैंस का दिल जीत लिया, और कमेंट सेक्शन में लोगों ने न्यासा को ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल हाल ही में फिल्मों में सक्रिय रही हैं, जबकि न्यासा के बारे में उन्होंने पहले ही साफ कर दिया है कि उनका फिलहाल फिल्म इंडस्ट्री में आने का कोई इरादा नहीं है।

हॉलीवुड में काम करने वाले पहले भारतीय सबु दस्तगीर की प्रेरणादायक कहानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज जब प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और देव पटेल जैसे सितारे हॉलीवुड में नाम कमा रहे हैं, तो शायद कम ही लोग जानते हैं कि इस राह की शुरुआत करीब 90 साल पहले सबु दस्तगीर ने की थी। 1924 में मैसूर में जन्मे सबु एक साधारण परिवार से थे।

उनके पिता शाही अस्तबल में महावत थे, इसलिए बचपन से ही उनका जुड़ाव हाथियों से रहा। यही हुनर उनकी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बना। 1930 के दशक में फिल्ममेकर रॉबर्ट फ्लेहर्टी भारत आए और फिल्म एलिफेंट बॉय के लिए एक ऐसे लड़के की तलाश कर रहे थे, जो हाथियों के साथ सहज हो। सबु इस भूमिका के लिए चुने गए और यहीं से उनका सफर शुरू हुआ।

फिल्म की सफलता के बाद सबु लंदन पहुंचे और फिर हॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने द थीफ ऑफ बगदाद, अरेबियन नाइट्स और जंगल बुक जैसी फिल्मों में काम कर अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल की। 'जंगल बुक' में निभाया गया उनका मोगली का किरदार आज भी याद किया जाता है।

सबु एक साधारण परिवार से थे

सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, असल जिंदगी में भी सबु हीरो थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने अमेरिकी वायुसेना जॉइन की और 40 से ज्यादा मिशनों में हिस्सा लिया। उनकी बहादुरी के लिए उन्हें 'डिस्टिंग्विश्ड फ्लाइंग क्रॉस' से सम्मानित किया गया। 1948 में उन्होंने अमेरिकी नागरिकता ली और बाद में हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम में भी जगह बनाई। हालांकि, 1963 में महज 39 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। सबु दस्तगीर की कहानी इस बात का सबूत है कि प्रतिभा और मेहनत से कोई भी व्यक्ति सीमाओं से परे जाकर दुनिया में पहचान बना सकता है।

कौन हैं तन्वी कोल्टे? 'मिस गोवा' से 'धाकड़ गर्ल' बनने तक का सफर

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिग बॉस मराठी सीजन 6 की विजेता बनीं तन्वी कोल्टे इन दिनों खूब चर्चा में हैं। 19 अप्रैल को हुए ग्रैंड फिनाले में उन्होंने ट्रॉफी अपने नाम की और साथ ही नकद इनाम, इलेक्ट्रिक स्कूटर व जूलरी वाउचर भी जीता। शो में उनके आत्मविश्वास और बेबाक अंदाज के कारण उन्हें 'धाकड़ गर्ल' का टैग मिला।

28 वर्षीय तन्वी कोल्टे एक उभरती हुई मराठी अभिनेत्री, मॉडल और टीवी पर्सनैलिटी हैं। उन्होंने कम उम्र में ही अपनी मजबूत पहचान बना ली है। शो के दौरान वह अपनी दमदार मौजूदगी के चलते पहली कन्फर्म फाइनलिस्ट भी बनी थीं। तन्वी का सफर सिर्फ रियलिटी शो तक सीमित नहीं है। वह पेजेंट वर्ल्ड में भी नाम कमा चुकी हैं और 'मिस रत्नागिरी 2018' तथा 'मिस गोवा 2020' का खिताब जीत चुकी हैं। उन्होंने लक्ष्मी निवास में अभिनय किया, लेकिन बिग बॉस में भाग लेने के लिए शो छोड़ दिया। उनके पास बीटेक की डिग्री भी है और वह डिजिटल कंटेंट क्रिएटर के रूप में भी सक्रिय हैं। निजी जीवन में भी तन्वी ने कई मुश्किलों का सामना किया, जिसमें 2026 की शुरुआत में अपने पिता को खोना शामिल है। उनकी भावनात्मक कहानी ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

आम्रपाली दुबे ने वैष्णो देवी में टेका माथा, शूटिंग के बीच शेयर कीं तस्वीरें

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे इन दिनों अपनी फिल्म माई से मिला द मैया वैष्णो देवी की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसी दौरान वह माता वैष्णो देवी मंदिर पहुंचीं और माता रानी के दर्शन किए।

आम्रपाली ने अपनी मां के साथ मंदिर में पूजा–अर्चना की और इस खास पल की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कीं। उन्होंने पोस्ट में 'जय मां वैष्णो देवी' लिखते हुए अपनी आस्था व्यक्त की। तस्वीरों में उनके साथ को–एक्टर कुंदर भारद्वाज भी नजर आए। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग जम्मू–कश्मीर में ही हो रही है और यह कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

40 आईएएस अफसरों का तबादला, किंजल सिंह हटाईं

15 जिलों के डीएम बदले, मनीष बंसल बने आगरा डीएम, कई अहम जिम्मेदारियां बदलीं

चुनावी तैयारी के बीच प्रशासनिक कसावट

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 40 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। इस सूची में 12 महिला अधिकारी शामिल हैं, जबकि 15 जिलों के जिलाधिकारियों को बदला गया है। आगामी चुनावों और प्रशासनिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

सबसे प्रमुख कार्रवाई किंजल सिंह पर हुई, जिन्हें परिवहन आयुक्त पद से हटाकर माध्यमिक शिक्षा विभाग का सचिव बनाया गया है। उनका नाम परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से अनबन और कार्यशैली को लेकर विवादों में रहा। उनकी जगह हाल ही में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे आशुतोष निरंजन को नया परिवहन आयुक्त बनाया गया है।

सहारनपुर के डीएम रहे मनीष बंसल को आगरा का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के दामाद हैं। वहीं, लखीमपुर खीरी की डीएम दुर्गाशक्ति नागपाल को पदोन्नति देकर देवीपाटन मंडल का मंडलायुक्त बनाया गया है।

इसके अलावा, कई जिलाधिकारियों को अन्य विभागों में तैनाती दी गई है। आगरा के डीएम अरविंद मल्लपा बांगरी को मुख्यमंत्री का विशेष सचिव बनाया गया है। बुलंदशहर की डीएम श्रुति को दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का एमडी बनाया गया है। झांसी के डीएम मृदुल चौधरी को पर्यटन विभाग में विशेष सचिव, फतेहपुर के डीएम रविन्द्र सिंह को ऊर्जा विभाग में विशेष सचिव और रायबरेली की डीएम हर्षिता माथुर को महिला एवं बाल विकास विभाग में निदेशक बनाया गया है। श्रावस्ती के डीएम अश्विनी कुमार पांडेय को अल्पसंख्यक विभाग में निदेशक की जिम्मेदारी दी गई है।

आठ जिलों में नए डीएम तैनात किए गए हैं। उन्नाव के गौरांग राठी को झांसी, सुल्तानपुर के कुमार हर्ष को बुलंदशहर, शामली के अरविंद कुमार चौहान को सहारनपुर, अमरोहा की निधि गुप्ता वत्स को फतेहपुर, हमीरपुर के घनश्याम मीना को उन्नाव, मैनपुरी के अंजनी कुमार सिंह को लखीमपुर खीरी, औरैया के इंद्रमणि त्रिपाठी को मैनपुरी और सहारनपुर के मनीष बंसल को आगरा भेजा गया है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि कई अधिकारियों का तबादला एक ही जिले में लंबे समय से तैनाती के कारण किया गया है। साथ ही आगामी चुनाव आचार संहिता को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। दुर्गाशक्ति नागपाल का तबादला भी उनकी पदोन्नति के बाद लंबित था, जिसे अब लागू किया गया है।

इस व्यापक फेरबदल को प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और शासन की पकड़ मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

तालाब में डूबे तीन सगे भाई–बहन, गांव में मातम

यूनिक समय, प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ के कंधई थाना क्षेत्र में सोमवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां तालाब में डूबने से तीन सगे भाई–बहनों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

जानकारी के अनुसार शाल्हीपुर कंजास गांव निवासी विजय बहादुर यादव के बच्चे–रानी (12), मोहित (8) और रोहित (5)–घर के पास बने तालाब में नहाने गए थे। नहाते समय तीनों गहरे पानी में चले गए और बाहर नहीं निकल सके। काफी देर तक जब बच्चे घर नहीं लौटे तो परिजनों ने तलाश शुरू की, जिसके बाद घटना का पता चला।

बच्चों के पिता लकवाग्रस्त हैं और भीख मांगकर परिवार का पालन–पोषण करते हैं, जबकि मां मजदूरी कर घर चलाती है। हादसे के समय मां घर में खाना बना रही थी। तीनों बच्चे गांव के प्राथमिक विद्यालय में नामांकित थ, लाकन नियामत रूप स स्कूल नहीं जाते थे।

नहाने गए थे, लौटकर नहीं आए, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

गांव में शोक, सुरक्षा को लेकर चेतावनी

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से बातचीत की और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। इस दर्दनाक हादसे के बाद मां अपने सबसे छोटे बच्चे को गोद में लेकर बिलखती रही। गांव में हर आंख नम है और लोग इस घटना को लेकर गहरे सदमे में हैं।

यह हादसा एक बार फिर बच्चों की सुरक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों में जलस्रोतों के आसपास सतर्कता की आवश्यकता को उजागर करता है।

महिला प्रतिनिधित्व पर कांग्रेस का सियासी वार

कितनी महिलाओं को दिया शीर्ष पद : अजय राय

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा पर महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व न देने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा ने अब तक कितनी महिलाओं को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष जैसे शीर्ष पदों पर स्थान दिया है।

अजय राय ने कहा कि महिला सम्मान और भागीदारी के मुद्दे पर भाजपा केवल दिखावटी राजनीति कर रही है। उन्होंने वर्ष 2023 में पारित महिला आरक्षण विधेयक का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय इसे लेकर खूब प्रचार किया गया, लेकिन जमीनी स्तर पर महिलाओं को वास्तविक नेतृत्व का अवसर अभी भी नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कांग्रेस का पक्ष रखते हुए दावा किया कि पार्टी ने हमेशा महिलाओं को राजनीति में आगे बढ़ाने का काम किया है और उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। साथ ही उन्होंने

हमने महिलाओं को नेतृत्व में आगे बढ़ाया

भाजपा पर उठाए सवाल

यह भी आरोप लगाया कि भाजपा ने महिलाओं के सम्मान की बात तो की, लेकिन व्यवहार में वह नजर नहीं आती।प्रेस वार्ता के दौरान अजय राय ने सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि देश के विकास के लिए महिलाओं को बराबरी का अवसर मिलना बेहद जरूरी है।

जनता दर्शन में सीएम योगी के सख्त निर्देश

हर फरियादी को न्याय, जनसेवा ही सरकार का धर्म

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशभर से आए फरियादियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि हर शिकायत का समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसेवा सरकार का मूल कर्तव्य है और इसी भावना के साथ प्रदेश की जनता की सेवा की जा रही है।

कार्यक्रम में आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, अवैध कब्जे और पुलिस से जुड़े कई मामले सामने आए। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र लोगों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से दिया जाए। इलाज के लिए सहायता मांगने वालों को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है और उपचार में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

शिक्षा से जुड़े मामलों में सीएम ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि आर्थिक तंगी के कारण किसी भी बच्चे की पढ़ाई नहीं रुकनी चाहिए। वहीं, अवैध कब्जे और पुलिस से जुड़े मामलों में लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन के दौरान कई फरियादी संतुष्ट नजर आए। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और त्वरित निर्णयों से लोगों में भरोसा बढ़ा है कि उनकी समस्याओं का समाधान निश्चित रूप से होगा।

समयबद्ध समाधान के निर्देश

आवास, इलाज और शिक्षा मामलों में तुरंत कार्रवाई पर जोर

नए बिजली कनेक्शन पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता खत्म करने की मांग तेज

यूनिक समय, लखनऊ। प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर जारी विवाद के बीच विद्युत उपभोक्ता परिषद ने नए कनेक्शनों पर इसकी अनिवार्यता समाप्त करने की मांग उठाई है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हस्तक्षेप के लिए आभार जताते हुए कहा कि जब तक तकनीकी समिति की रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक नए मीटर लगाने पर रोक लगनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में करीब 70 लाख उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं, जिनमें से अधिकांश मामलों में उपभोक्ताओं की सहमति नहीं ली गई। इसे उपभोक्ता अधिकारों के खिलाफ बताया जा रहा है। वहीं, पावर कॉर्पोरेशन द्वारा गठित चार सदस्यीय तकनीकी समिति 10 दिनों में अपनी रिपोर्ट देगी, जिसके आधार पर आगे का निर्णय होगा।

परिषद का कहना है कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने 1 अप्रैल 2026 से प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता समाप्त कर दी है, ऐसे में नए कनेक्शन पर इसे लागू रखना न्यायसंगत नहीं है।

जम्मू–कश्मीर के ऊधमपुर में बस हादसा

दर्दनाक हादसे में 16 लोगों की मौत, कई लोग घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के उधमपुर जिले में सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। रामनगर के कघोट इलाके में एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोग घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 10 बजे उस समय हुआ जब बस रामनगर से उधमपुर की ओर जा रही थी। पहाड़ी मार्ग पर एक खतरनाक मोड़ के पास बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। बाद में पुलिस, प्रशासन और आपातकालीन टीमों ने राहत कार्य तेज कर दिया।

मलबे से शवों को निकालने और घायलों को सुरक्षित बाहर लाने का काम तेजी से किया गया। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट करने की भी तैयारी की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भी प्रशासनिक अधिकारियों से बात कर राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। वहीं जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हादसे पर शोक जताते हुए अधिकारियों को हर संभव मदद सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सड़क की स्थिति और तीखा मोड़ दुर्घटना का कारण हो सकता है, हालांकि विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट कारण सामने आएगा। यह हादसा एक बार फिर पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा और परिवहन व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोग बेहतर सड़क प्रबंधन और सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

आपतकालीन टीमों का राहत–बचाव जारी

सीमा पर सख्ती : कामजोंग में असम राइफल्स का बड़ा एक्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। मणिपुर के कामजोंग जिले में सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए सीमा पार से संचालित संदिग्ध गतिविधियों पर करारा प्रहार किया है। असम राइफल्स ने खुफिया इनपुट के आधार पर भारत–म्यांमार सीमा के पास व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसमें जमीन के अंदर छिपाकर रखा गया हथियारों और विस्फोटकों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। यह ऑपरेशन 11 और 12 अप्रैल की दरम्यानी रात को अंजाम दिया गया। जवानों ने आधुनिक उपकरणों के साथ–साथ स्निफर डॉग की मदद से संदिग्ध स्थानों की पहचान की। तलाशी के दौरान एक जगह से भारी मात्रा में हथियार, गोला–बारूद और विस्फोटक सामग्री मिली, जिसे बाद में जांच के लिए संबंधित एजेंसियों को सौंप दिया गया। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त रूप से एक और बड़ा अभियान चलाया। मणिपुर पुलिस और टेरिटोरियल आर्मी के साथ मिलकर 16 से 19 अप्रैल के बीच थौबल, तेंगनौपाल और काकचिंग जिलों में कार्रवाई की गई। इस दौरान तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया,

हथियारों का जखीरा बरामद

जिनके प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े होने की पुष्टि हुई है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए उग्रवादियों ने म्यांमार में ट्रेनिंग ली थी। उनके पास से मोबाइल फोन और विदेशी मुद्रा भी बरामद की गई है, जो सीमा पार नेटवर्क की ओर इशारा करती है। सभी आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस के हवाले कर दिया गया है। इसी क्रम में मिजोरम में भी एक अलग अभियान चलाया गया, जहां विदेशी सिगरेट की बड़ी खेप जब्त की गई। इस कार्रवाई में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया और करीब 2.37 करोड़ रुपये का माल बरामद हुआ। लगातार चल रहे इन अभियानों से यह साफ संकेत मिल रहा है कि सुरक्षा बल सीमा पर किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए पूरी तरह सतर्क हैं। यह कार्रवाई न केवल उग्रवाद पर अंकुश लगाने में मददगार साबित होगी, बल्कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की दिशा में भी एक अहम कदम मानी जा रही है।

जापान में 7 .4 तीव्रता का भूकंप, सुनामी अलर्ट जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। जापान में सोमवार को 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे पूरे देश में दहशत फैल गई। झटके इतने तेज थे कि कई इलाकों में लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र उत्तरी तटीय क्षेत्र में बताया जा रहा है। टोक्यो समेत कई शहरों में कंपन महसूस किया गया। भूकंप के तुरंत बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर सुनामी की चेतावनी जारी कर दी है। राहत और बचाव एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है, जबकि तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। जापान भूकंप संवेदनशील क्षेत्र में आता है, जहां इस तरह की घटनाएं पहले भी होती रही हैं।

फिलहाल किसी बड़े नुकसान या हताहत की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले घंटों में आफ्टरशॉक्स की संभावना बनी रह सकती है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

डिजिटल अरेस्ट ठगी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में तेजी से बढ़ रहे "डिजिटल अरेस्ट" साइबर फ्रॉड मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। सोमवार को सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाला है कि पढ़े–लिखे और जागरूक लोग भी इस तरह की ठगी का शिकार हो रहे हैं। अदालत ने एक बुजुर्ग महिला का उदाहरण देते हुए बताया कि साइबर अपराधियों ने उनकी पूरी रिटायरमेंट राशि हड़प ली। इस घटना पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसे मामलों का लगातार सामने आना सिस्टम के लिए गंभीर चुनौती है। दरअसल, "डिजिटल अरेस्ट" ठगी का एक नया तरीका बनकर उभरा है, जिसमें अपराधी खुद को पुलिस, सीबीआई या अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं। वे वीडियो कॉल या फोन के जरिए पीड़ित को घंटों अपने नियंत्रण में रखते हैं और गिरफ्तारी या कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर पैसे ट्रांसफर करा लेते हैं।

बढ़ती घटनाओं ने बढ़ाई चिंता

सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी ने अदालत को बताया कि सरकार इस समस्या से निपटने के लिए लगातार बैठकें कर रही है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मामले की अगली सुनवाई 12 मई को होगी। इससे पहले भी अदालत डिजिटल फ्रॉड को "सीधी लूट" बता चुकी है और भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकों व दूरसंचार विभाग को मिलकर ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए थे। साथ ही संदिग्ध खातों पर तुरंत रोक लगाने और पीड़ितों के लिए मुआवजा व्यवस्था तैयार करने की बात कही गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती डिजिटल निर्भरता के बीच साइबर अपराधी नए–नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में जागरूकता और सतर्कता ही इस तरह की ठगी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

नागपुर एनजीओ केस: युवतियों ने लगाए शोषण के गंभीर आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। नागपुर में एक एनजीओ से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है, जहां काम करने वाली युवतियों ने संस्था संचालक पर यौन शोषण, मानसिक उत्पीड़न और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पुलिस के अनुसार अब तक चार युवतियों ने शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि आरोपी काजी लड़कियों पर धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने का दबाव बनाता था और मना करने पर नौकरी से निकालने व जान से मारने की धमकी देता था। पीड़िताओं ने यह भी कहा कि उनकी निजी जिंदगी में दखल दिया जाता था और सोशल मीडिया पर फर्जी

आईडी बनाकर निगरानी की जाती थी।

मामले में महाराष्ट्र पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि अन्य पीड़िताएं भी सामने आ सकती हैं और उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है और मामले की गहन जांच जारी है।

अफवाह का असर : वोट के डर से घर लौटे मजदूर

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच एक अफवाह ने बड़ा असर दिखाया है। "वोट नहीं दिया तो नाम वोटर लिस्ट से कट जाएगा" जैसी बातों के चलते देशभर के अलग–अलग शहरों से हजारों प्रवासी मजदूर अपने घर लौटने लगे हैं। इस वजह से रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

दिल्ली, मुंबई, सूरत और चेन्नई जैसे शहरों से लोग बड़ी संख्या में बंगाल की ओर रवाना हो रहे हैं। खासकर मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों में लौटने वालों की संख्या ज्यादा बताई जा रही है। कई लोग अपने

रिश्तेदारों के फोन पर मिले संदेशों के कारण घबराकर तुरंत घर के लिए निकल पड़े। रेलवे स्टेशनों पर हालात ऐसे हैं कि ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं बची। मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस और सूरत के उधना स्टेशन पर तो यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। कुछ जगहों पर हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा, ताकि भगदड़ जैसी स्थिति न बने।

कई यात्रियों का कहना है कि उन्हें डर है कि अगर उन्होंने इस बार वोट नहीं डाला तो उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा। हालांकि रेलवे और प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि लोगों तक सही जानकारी पहुंचाना जरूरी है और अफवाहों से बचना चाहिए।

विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के जरिए फैली इस तरह की अफवाहें लोगों में अनावश्यक डर पैदा कर रही हैं। प्रशासन ने अपील की है कि लोग केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें और बिना पुष्टि के किसी भी खबर पर प्रतिक्रिया न दें।

भारत–दक्षिण कोरिया संबंधों को नई मजबूती

यूनिक समय, नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में ली जे म्युंग से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने पर चर्चा की। करीब 8 साल बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की यह भारत यात्रा अहम मानी जा रही है। बैठक में व्यापार, निवेश, जहाज निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। दोनों देशों ने 2030 तक आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।एस. जयशंकर ने इस यात्रा को रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने की दिशा में

महत्वपूर्ण बताया। विशेषज्ञों के अनुसार यह बैठक वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत और दक्षिण कोरिया के रिश्तों को नई ऊंचाई देने में अहम साबित हो सकती है।

दो मंजिला मकान की छत से गिरकर वृद्ध की मौत

यूनिक समय, मथुरा। गोविंद नगर की वृंदावन गेट पुलिस चौकी क्षेत्र में आज उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अर्धनग्न अवस्था में एक बुजुर्ग की छत से गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बुजुर्ग मूलरूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला था। कई सालों से इस इलाके में रह रहा था।

वृंदावन गेट इलाके में बंगाल के रहने वाले आशीष कुमार विश्वास (60) अपनी नेत्रहीन पत्नी के साथ राजू यादव के मकान में किराए पर रह रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब दो बजे आशीष कुमार विश्वास अचानक मकान की दूसरी मंजिल की छत से गिर पड़ा, तेज आवाज सुनकर राहगीरों में हड़कंप मच गया। सड़क से गुजरते राहगीरों ने सड़क वृद्ध को संभालने का प्रयास किया। राहगीर और स्थानीय लोग जब तक उसे

सड़क पर गिरने से मचा हड़कंप

घायल ने अस्पताल ले जाने से पूर्व तोड़ा दम

अस्पताल ले जाते तब तक वृद्ध की मौत हो गई। छत से गिरने के दौरान वृद्ध अर्धनग्न अवस्था में था, जिससे मामला संदिग्ध लग रहा है। घटना का पता लगने पर वृंदावन गेट पुलिस चौकी प्रभारी अमित कुमार भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पिता के छत से गिरने की जानकारी मिलने पर मृतक का बेटा प्रताप भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने संदेह पैदा होने पर वृद्ध की मौत को लेकर जांच शुरू कर दी है।

सट्टे की रकम का भुगतान नहीं करने पर मारपीट

दो पक्षों में जमकर हुई हाथापाई

पुलिस ने घटना पर जताई अनभिज्ञता

यूनिक समय, कोसीकलां। सट्टे में आए एक नंबर को लेकर सटोरिया द्वारा मुकर जाने को लेकर कस्बा की भांतू कॉलोनी में जमकर मारपीट और हंगामा हुआ। इस बात को लेकर कस्बा में जोरदार चर्चा है, लेकिन इस तरह के किसी मामले को लेकर पुलिस ने अनभिज्ञता जाहिर की है।

बताया गया कि एक संभ्रांत व्यक्ति द्वारा भातू कालोनी में सट्टे की खाईबाड़ी करने वाले के पास एक नंबर लगाया था। इस नंबर पर मोटा भुगतान होना था। नंबर के आजाने पर संभ्रांत व्यक्ति ने भुगतान की बात कही। इस पर सट्टा लगाने वाले ने साफ इंकार कर दिया कि उसने नंबर लगाया ही नहीं था।

बस इस बात को लेकर वहां दोनों के बीच जमकर झगड़ा और हाथापाई तक हुई। इसके बाद किसी तरह इस मामले को निपटा दिया गया। सट्टे को लेकर हुआ झगड़ा कस्बे में चर्चा का विषय बना हुआ है।

शॉर्ट सर्किट से दुकान में लगी आग

लाखों रुपये का सामान जलकर हुआ राख

यूनिक समय मथुरा। थाना फरह की ओल चौकी क्षेत्र में बीती रात शॉर्ट सर्किट से एक पेटीज कोल्डड्रिंक और परचून की दुकान में लगी आग से लाखों रुपये का सामान फ्रिज आदि जल गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू किया गया। आग से दुकान की दीवार और छत भी क्षतिग्रस्त हो गई।

ओल कस्बे में पवन की कोल्डड्रिंक पेस्टी और परचून की दुकान है। बताया गया कि उसने दुकान में एक नया फ्रिज लगाया था। दुकान में दो फ्रिज पहले से लगे हुए थे। रविवार की रात वह दुकान बदं करने के बाद घर को चला गया। रात में दुकान में हुए बिजली की शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने दुकान में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने का पता लगने पर मौके पर पहुंचे लोगों ने आग को बुझाने का प्रयास किया। फायर ब्रिगेड और पुलिस को भी लोगों ने सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड ने काफी प्रयास के बाद दुकान में लगी आग को बुझाया। आग की लपटों से दुकान की छत और दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गई। पवन का कहना है कि आग से दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले पर कार्रवाई की मांग

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी कार्यालय पर पहुंचे व्यापारियों का गुस्सा आज उस वक्त फूट पड़ा जब पीड़ित व्यापारी महेश गर्ग और राकेश गोयल ने पुलिस प्रशासन पर कार्रवाई न किए जाने पर गंभीर आरोप लगाए।

महेश गर्ग का कहना है कि दिनेश ने पहले उसके साथ दोस्ती की आड़ में भरोसा जीता और फिर वृंदावन में एक जमीन का सपना दिखाकर पौने दो करोड़ रुपये ठग लिए। वहीं दूसरी ओर व्यापारी राकेश गोयल की भी भारी मात्रा में चांदी लेकर शातिर आरोपी दिनेश गायब हो गया है। पीड़ितों का दावा है कि दिनेश अग्रवाल ने अकेले उन्हें नहीं, बल्कि मथुरा–वृंदावन के दर्जनों व्यापारियों को अपना शिकार बनाया है। ठगी का यह आंकड़ा करोड़ के पार बताया जा रहा है। व्यापारियों का आरोप है कि चार महीने से शिकायत देने के बावजूद भी पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की है। जबकि आरोपी फरार है। व्यापारियों का कहना है आखिर इतनी मोटी रकम हड़पने वाले पर पुलिस इस कदर महेरबान क्यों है। एसएसपी से मांग की गई कि पुलिस को उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड कार्यक्रम में मेधावी छात्र–छात्राएं सम्मानित

यूनिक समय,वृंदावन। श्रीवृंदावन बाल विकास परिषद के तत्वावधान में स्व. मोहनलाल चौधरी की पुण्य स्मृति में स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड समारोह का भव्य आयोजन गांधी मार्ग स्थित गुरु गंगेश्वर देवकी भोजराज कन्या विद्यालय में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न स्कूल–कॉलेजों के मेधावी छात्र–छात्राओं को शिक्षण सत्र 2025–26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि नगर निगम पार्षद घनश्याम चौधरी ने कहा कि बच्चों को समय–समय पर प्रोत्साहन देने से उनमें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का सम्मान समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश है। विशिष्ट अतिथि पुनीत शर्मा ने कहा कि बच्चे हमारे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। यदि हमें देश का भविष्य उज्ज्वल बनाना है। वहीं अजय कुमार गौतम और गोपाल चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। वृंदावन बाल विकास परिषद के चेयरमैन नवीन चौधरी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है और उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है, जो उन्हें जीवन में सफलता की ओर अग्रसर करती है। कार्यक्रम में मेधावी छात्र–छात्राओं को स्कूल बैग, वॉटर बोटल, ज्योमेट्री बॉक्स, चॉकलेट, प्रमाण पत्र, ट्रॉफी और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सचिन अग्रवाल, विष्णु गोला, आकाश शर्मा, रौनव चौधरी बिट्टू, हरिओम शास्त्री,आशीष चौहान, विनय शर्मा, शैलेंद्र सिंह, लव सक्सेना, पवन ठाकुर, कृष्णा चौधरी आदि उपस्थित थे।

अक्षय तृतीया पर भक्ताम्बर पाठ व रस वितरण, जैन मंदिर में उमड़े भक्त

यूनिक समय, मथुरा। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर 1008 श्री चंद प्रभु दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, जैन गली मथुरा में श्री चंद प्रभु जैन महिला भक्ताम्बर पाठ मंच द्वारा भव्य आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में भक्ताम्बर स्तोत्र का सामूहिक पाठ बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ किया गया तथा 48 दीपों से आरती की गई।पाठ के बाद गन्ने के रस (इच्छुक रस) का विशेष महत्व माना जाता है, जिसे कुसुम छावड़ा द्वारा मंगाया गया। इसके बाद सभी महिला श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से रस ग्रहण किया और अन्य श्रद्धालुओं को भी प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर कुसुम छावड़ा, रैनू जैन, नीलू जैन, ध्रुवलता जैन, शालिनी जैन, मंजुल जैन, रेखा जैन, नीतू

जैन मंदिर में दीप जलातीं महिलाएं।

जैन, सारिका जैन, रीता जैन, मनीषा जैन, पुष्पा जैन, सांची जैन, सोनम जैन, पूनम जैन, सलोनी जैन, ज्योति जैन, निराली जैन, नीलम जैन, कमलेश जैन सहित अनेक महिलाओं ने सहभागिता की। आयोजन में सभी ने 24 तीर्थंकरों के उपदेशों पर चलने और धर्म के प्रसार का संकल्प लिया।

10 जून को होगा निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन

यूनिक समय, मथुरा। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) चन्द्र प्रकाश सिंह ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग उ0प्र लखनऊ द्वारा संशोधित निम्नांकित समय सारिणी के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली की कार्यवाही निम्नांकित समय सारिणी के अनुसार कराए जाने के निर्देश दिए हैं। 21 अप्रैल से 28 मई तक मतदाताओं की कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही। 29 मई से नौ जून तक मतदाता सूचियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग, मतदाता क्रमांकन, एसवीन आवंटन, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराई जा सकती है। 10 जून को निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन होगा।

ब्राह्मण धर्मशाला में धूमधाम से मनाया गया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

ब्राह्मण धर्मशाला में मनाये गये भगवान परशुराम के जन्मोत्सव कार्यक्रम में मौजद लोग।

यूनिक समय, छाता। स्थानीय ब्राह्मण धर्मशाला में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और समाज के गणमान्य नागरिक एकत्रित हुए। जन्मोत्सव का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। पंड़ितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान का अभिषेक और विशेष पूजन संपन्न कराया गया। इसके उपरांत सामूहिक आरती की गई, जिसमें पूरा परिसर 'जय परशुराम' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। मुख्य अतिथि सूरजपाल सिंह यदुवंशी ने कहा कि भगवान परशुराम श्री हरि विष्णु के छठवें अवतार हैं जिन्होंने पृथ्वी से पपियों का अंत किया और धर्म की स्थापना कि आज हम सभी सनातनीयो हिंदुओं को धर्म के रक्षा के लिए संगठित होकर समाज में फैल रही बुराइयों का अंत करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर उमाकांत शर्मा, कपिल गुप्ता, अनुज पंडित, सौरभ, राज शुक्ला, राहुल, कपिल, प्रतीक शर्मा, कुश गुप्ता, अंशु, गोविंद, हेमंत आदि मौजूद रहे।

डरना छोड़ो, लड़ना सीखो, छेड़खानी होने पर चुप न रहें

आर्केडियन पब्लिक स्कूल की छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करती नौहझील पुलिस।

यूनिक समय, बाजना। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज–5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत सोमवार को थाना नौहझील पुलिस ने क्षेत्र के आर्केडियन पब्लिक स्कूल बाजना कट में जागरूकता अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निर्देशन में आयोजित इस 30 दिवसीय महिला सशक्तिकरण अभियान के दौरान पुलिस टीम ने छात्राओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। जागरूकता अभियान के दौरान पुलिस

आर्केडियन पब्लिक स्कूल में मिशन शक्ति के तहत बालिकाओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

टीम ने छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए स्वयं नियमों का पालन करने और अपने परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उपनिरीक्षक संजय कुमार, उप निरीक्षक दीप्ति सिंह, उपनिरीक्षक ज्योति आदि छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

अक्षय तृतीया पर परशुराम मंदिर में हुआ पूजन–अभिषेक

यूनिक समय, वृंदावन। सोमवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा बांके बिहारी कॉलोनी स्थित परशुराम मंदिर में भगवान परशुराम का विधि–विधान से पूजन–अभिषेक किया गया। इस दौरान महासभा के कार्यकर्ताओं ने भगवान परशुराम को पुष्पमाला अर्पित कर भोग लगाया तथा उपस्थितजनों को प्रसाद वितरण किया गया। मंदिर परिसर में पूरे समय श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर के पुजारी

रविकांत तिवारी ने मनोनीत पार्षद शशि शुक्ला से परशुराम पार्क एवं मंदिर के सौंदर्यकरण के लिए निवेदन किया। इस पर शशि शुक्ला ने आश्वासन देते हुए कहा कि वे शीघ्र ही परशुराम पार्क एवं मंदिर के सौंदर्यकरण कार्य में हर

सौंदर्यीकरण को लेकर उठी मांग

सर्व ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित

संभव सहयोग प्रदान करेंगी। उन्होंने इस अवसर पर भगवान परशुराम के आदर्शों का पालन करने का सभी से आवाहन भी किया।

इस दौरान मंडल अध्यक्ष रामेश्वर दयाल शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन त्याग, धर्म और न्याय की स्थापना का प्रतीक है। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारते हुए समाज में एकता, संस्कार और संगठन को मजबूत करना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. ऋचा शर्मा, निशा शर्मा, गिर्राज तिवारी, जगदीश शर्मा (ठाकुर जी), दीपक गोस्वामी, पवन शर्मा, राकेश कुमार पालीवाल, रासाचार्य सौरभ शर्मा, देव शर्मा, श्याम शर्मा, सचिन, पंकज शर्मा, कमलेश उपाध्याय सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।